RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●27 फरवरी , 2024 वर्षः-11 अंक - 300 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

एक-दो नहीं, पूरे 33 मैच से अजेय....

भारत ने बनाया ऐसा रिकॉर्ड, हिल गए अंग्रेज

इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त

रांची (एजेंसी)। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। मैच में इंग्लैंड की टीम ने भारत को चौथी पारी में 192 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उसने 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपने घर में 200 से कम के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने अजेय रिकॉर्ड को बरकरार रखा है। भारतीय टीम ने अपने घर में 33वीं बार चौथी पारी में 200 से कम के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थी। इन 33 मैचों में से टीम इंडिया ने 30वीं बार जीत दर्ज की है।

11 साल बाद टीम इंडिया को मिली जीत

टेस्ट मुकाबले में टीम इंडिया को अपने घर में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 200 से कम के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत मिली थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मुकाबला दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान पर 2013 में खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से धूल चटाई थी।

गंदे कपड़े पहने किसान को मेट्रो में जाने से रोका

- **लोगों ने पूछा- ड्रेस कोड है क्या? बेंगलुरु मेट्रो अथॉरिटी ने अफसर को टर्मिनेट किया**

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है- राजाजीनगर मेट्रो स्टेशन के स्टाफ ने एक किसान को मेट्रो में चढ़ने से इसलिए रोक दिया, क्योंकि उसके कपड़े गंदे थे। वीडियो में नजर आ रहा है एक वृद्ध किसान बैग चैकिंग पाइंट पर खड़ा हुआ है। उसके सिर पर एक सामान का बोरा रखा हुआ है। जिस समय किसान को रोका जा रहा था, तब वहां खड़े एक पैसेंजर ने अफसर से पूछा- क्या मेट्रो में चलने का कोई ड्रेस कोड है? पैसेंजर ने ही घटना का वीडियो को पोस्ट किया। वीडियो की जांच के बाद बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने किसान को रोकने वाले सिक्योरिटी सुपरवाइजर को टर्मिनेट कर दिया है। किसान को मेट्रो में एंट्री नहीं दी गई थी। अन्य लोगों ने किसान के आवाज उठाई और अधिकारियों से सवाल किया।

नहीं रहे गजल के सरताज पंकज उधास

बेटी ने बताया- लंबे समय से बीमार चल रहे थे

साल 2006 में भारत सरकार की तरफ से पद्मश्री से सम्मानित किया गया था

मुंबई (एजेंसी)। 'ना कजरे की धार', 'चिट्ठी आई है...', 'चांदी जैसा रंग है तेरा' जैसे न जाने कितने गानों को अपनी आवाज देने वाले सिंगर और पद्मश्री से सम्मानित पंकज उधास का निधन हो गया है। उनकी उम्र 72 साल थी। बेटी ने इस खबर की पुष्टि की है। बताया है कि वह लंबे समय से बीमार थे। उनकी तबीयत काफी दिनों से खराब थी। कैंसर से जूझ रहे थे। मनोरंजन जगत से लगातार बुरी खबरें सामने आ रही हैं। हाल ही में इस इंडस्ट्री ने कई नायाब चेहरों को खोया है। और अब गजलों को फिल्मों में पॉप्युलर बनाने के लिए जाने जाने वाले पंकज उधास भी अब नहीं रहे। उनका यूं दुनिया को अचानक छोड़कर जाना, हर किसी के लिए किसी सदमे से कम नहीं है। फैन्स और चाहने वाले उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

पंकज उधास की बेटी ने दी जानकारी

नायाब उधास ने लिखा, भारी दिल के साथ आप सभी को ये दुखद समाचार देना पड़ रहा है कि पद्मश्री पंकज उधास अब नहीं रहे। उन्होंने 26 फरवरी, 2024 को अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

पीएम मोदी ने विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन व रेल सुविधाओं की सौगात दी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- **म.प्र. में 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास और मिलेगी 133 रोड ओवर ब्रिज/अंडर पास की सौगात**
- **मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं की शिलापट्टिकाओं का किया अनावरण**
- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कार्यक्रम में सीहोर से हुए शामिल**

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आधुनिक और तेज रेलवे के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 41 हजार करोड़ की लागत से देश के 554 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प और 1500 रोड ओवर ब्रिज/अंडरपास के शिलान्यास, उद्घाटन समर्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर से शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 77 हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य जारी हैं, प्रदेश में रेलवे सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है, और हमें नई तकनीक और नई व्यवस्थाओं के साथ विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन एवं रेल सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर जिले की जन आभार यात्रा में शामिल हुए। केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित किया।

डबल इंजन की सरकार से हम समर्थ और सक्षम राज्य के लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश विकास की पटरी पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित है, रेलवे अधोसंरचना के विकास की यहां बहुत संभावनाएं हैं। यहां देश की दो प्रमुख रेलवे लाइनें तो संचालित हैं हीं, इसके साथ ही सीहोर होकर रामगंज मंडी तथा बुधनी की रेल लाइन बिछाने के कार्य को भी गति दी जा रही है। रेलवे अधोसंरचना के विकास को तेजी से पूरा किया जाएगा, इससे प्रदेश के विकास को और भी गति मिलेगी। हम समर्थ और सक्षम राज्य के लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर हैं।

- **इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, खंडवा, सीहोर सहित प्रदेश के 33 रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास-** कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के 33 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए शिलान्यास के साथ ही 133 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) एवं अंडरपास का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। प्रदेश के जिन 33 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास के लिए शिलान्यास किया गया, उनमें सीहोर, जबलपुर, बीना, अशोकनगर, खिरकिया, साँची, शाजापुर, ब्यौहारी, बरगवाँ, नरसिंहपुर, पिपरिया, इन्दौर, उज्जैन, मंदसौर, मक्सी, नागदा, नीमच, शुजालपुर, खाचरोद, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खण्डवा, मंडला फोर्ट, नैनपुर, सिवनी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, मुरैना, हरपालपुर, दतिया और भिंड स्टेशन शामिल हैं। आरओबी में जबलपुर रेल मंडल के दो और भोपाल रेल मंडल के चार आरओबी शामिल हैं। अंडरपास के अंतर्गत जबलपुर में एक एवं भोपाल मंडल में दो स्थानों पर कार्य होंगे। उल्लेखनीय है कि मानवयुक्त समपार फाटकों को खत्म करने के लिए आरओबी/अंडरपास बनाया जाता है।
- **भोपाल-सीहोर-रायसेन, भोपाल-विदिशा, उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-देवास ट्विन सिटी के रूप में विकसित होंगे-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग, रोजगार में बढ़ोत्तरी के साथ ही महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग की प्रगति के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। किसी भी योजना के लिए धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी। सीहोर नगर पालिका द्वारा उनके सम्मुख रखे गए प्रस्तावों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि भोपाल और सीहोर का विकास समन्वित रूप से ट्विन सिटी के आधार पर होगा। दोनों नगरों को जोड़कर आवागमन के साधन, आवासीय परियोजनाएं और रोजगार के अवसरों के समग्र विकास की योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।

म.प्र. के 33 रेलवे स्टेशन अपग्रेड होंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशभर के 554 रेलवे स्टेशन के रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इनमें मध्यप्रदेश के 33 स्टेशन शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री दिल्ली से वर्चुअली जुड़े। रिमोट के जरिए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया।

म.प्र.के ये स्टेशन होंगे अपग्रेड

अमृत रेलवे स्टेशन योजना के तहत इंदौर, मंदसौर, सीहोर, मक्सी, नागदा जंक्शन, नीमच, खाचरोद, शुजालपुर, बालाघाट जंक्शन, छिंदवाड़ा जंक्शन, मंडला फोर्ट, नैनपुर, सिवनी, अनूपपुर, बिजूरी, शहडोल, उमरिया, भिंड, दतिया, हरपालपुर, मुरैना, अशोकनगर, खिरकिया, सांची, शाजापुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, ब्यौहारी, बरगवां, जबलपुर, उज्जैन, बीना और खंडवा रेलवे स्टेशन को अपग्रेड किया जाएगा। 3276 करोड़ रुपए से मध्यप्रदेश के इन 33 स्टेशनों के पुनर्विकास के साथ 133 रोड ओवरब्रिज और अंडरपास भी बनाए जाएंगे।

स्टेशनों पर ये सुविधाएं दी जाएंगी

● लिफ्ट, एस्केलेटर ● एग्जीक्यूटिव लाउंज ● वेटिंग एरिया ● शॉपिंग जोन ● फूड कोर्ट ● किड्स गेमिंग जोन ● दिव्यांगजन सुविधाएं ● बेहतर पार्किंग ● सीसीटीवी मॉनिटरिंग ● फ्री वाई-फाई ● दोनों तरफ से प्लेटफार्म पर एंट्री-एग्जिट गेट ● बेहतर लाइटिंग ● ग्रीन और रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल ● रेलवे स्टेशन को मेट्रो, बस स्टैंड से जोड़ेंगे।

नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा-सिवनी में बारिश-ओले का अलर्ट

बैतूल जिले में तेज बारिश के साथ कई स्थानों पर गिरे ओले, बिजली गिरने से 15 बकरियों की मौत

आधे म.प्र. में स्ट्रॉन्ग सिस्टम; जबलपुर-खंडवा समेत 12 जिलों में आज बारिश का अनुमान

भोपाल (एजेंसी)। आधे एमपी में अगले 3 दिन तक बारिश-ओले का स्ट्रॉन्ग सिस्टम रहेगा। सोमवार को नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और सिवनी में ऑरेंज अलर्ट, जबकि जबलपुर, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नरसिंहपुर समेत 12 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां 30 से 50 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवाएं भी चल सकती हैं। 3 दिन तक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश होगी और ओले गिरेंगे।

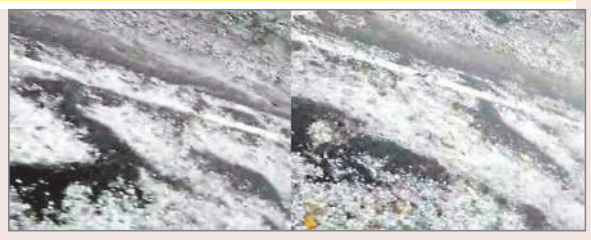

वहीं बैतूल जिले में सोमवार को दोपहर बाद मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ गया। जिला मुख्यालय सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में तेज तो कहीं मध्यम बारिश हुई। भीमपुर ब्लाक में बिजली गिरने से 15 बकरियों की मौत हो गई। बैतूल जिले में शाहपुर तहसील क्षेत्र के बरेठा, देसावाड़ी ग्राम पंचायत क्षेत्र में चने और बेर के आकार के ओलों की बारिश हुई है। अन्य गांवों में भी हल्की ओलावृष्टि होने से गेहूं, चना और सब्जी की फसलों को नुकसान पहुंचा है। शाहपुर से सचिन शुक्ला ने बताया कि सोमवार को शाम करीब चार बजे गरज-चमक के साथ तेज बारिश प्रारंभ हो गई।

म.प्र.की 23 लोकसभा सीटों पर भाजपा करा रही रायशुमारी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार तय करने के लिए हलचल तेज है। रविवार देर रात बीजेपी के प्रमुख नेताओं की वर्चुअल मीटिंग हुई। जिसमें अलग-अलग नेताओं को 23 लोकसभा सीटों पर जाकर पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से रायशुमारी कर मजबूत दावेदारों के नाम टटोलने को कहा गया।

6 सीटों पर पहले ही टटोल चुके दावेदारों के नाम

पहले हो चुकी रायशुमारी

एमपी की 29 में से 6 लोकसभा सीटों पर रायशुमारी हो चुकी है। स्थानीय स्तर पर सामने आए नामों का पैनल बनाकर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा भी जा चुका है। इन 6 सीटों में मुरैना, दमोह, होशंगाबाद, सीधी और जबलपुर के सांसद विधायक चुने जा चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस के कब्जे वाली छिंदवाड़ा सीट पर भी रायशुमारी हो चुकी है।

28 सांसदों में बीजेपी बदल सकती है 21 चेहरे- वर्तमान में एमपी की 29 सीटों में से 28 लोकसभाओं में बीजेपी के सांसद हैं। सूत्रों की मानें तो इन 28 में से 21 सांसदों के टिकट बदल सकती है।

कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा बीजेपी में शामिल

- **बोलीं-उनके पास ना नीति-ना सोच; पति मधु कोड़ा के जेल जाने के बाद झारखंड की राजनीति में आईं**

रांची (एजेंसी)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। सिंहभूम से सांसद और झारखंड पूर्व सीएम मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा ने आज कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गई हैं। बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिनों से वो गठबंधन से नाराज चल रही थीं। रांची में बीजेपी पार्टी ऑफिस में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उनका पार्टी में स्वागत किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी भी मौजूद रहे। बीजेपी जॉइन करने के बाद गीता कोड़ा ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई नीति नहीं है, कोई सोच नहीं।

मराठा आंदोलनकारियों ने जालना में बस जलाई

- **महाराष्ट्र के 3 जिलों में इंटरनेट बंद**
- **जरांगे ने 17 दिन से चल रहा अनशन वापस लिया**

जालना (एजेंसी)। मराठा आरक्षण के लिए जालना के अंतरावली सराठी गांव में 10 फरवरी से अनशन पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल ने 17 दिन से चल रहा अनशन तोड़ने का ऐलान किया है। मराठा आंदोलनकारियों ने सोमवार को अंबाड के तीर्थपुरी शहर में एक स्टेट ट्रांसपोर्ट बस को आग लगा दी।

आगजनी की घटना के बाद महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और जालना में बस सर्विस को रोक दिया है। प्रशासन ने बीड, संभाजीनगर और जालना में शाम 4 बजे तक इंटरनेट सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, मराठा आंदोलन के लीडर मनोज जरांगे पाटिल भी जालना से अपने गांव सराठी लौट गए। उन्हें मुंबई जाना था, लेकिन पुलिस ने कल उन्हें जालना जिले की सीमा में ही रोक रखा था। मनोज को उनके स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर पुलिस ने रोका था।

एक ही मंड़प में विवाह और निकाह हुआ 456 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

मुख्यमंत्री कन्यादान व निकाह योजना के तहत विवाह सम्मेलन आयोजित हुए

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्यादान तथा निकाह योजना के तहत आयोजित वैवाहिक समारोह में 456 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। एक ही मण्डप में विवाह और निकाह की रस्में अदा की गई है। विदिशा जिला मुख्यालय के रामलीला मेला परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन, विदिशा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी, सांसद प्रतिनिधि श्री कैलाश रघुवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा नव वरवधुओं को शुभ अशीर्वाद प्रदाय किया। पंडित दिनेश शास्त्री ने वैदिक विधि से मंत्रोच्चार के साथ विवाह कराया। मौलवी सैयद साजिद अली काजी ने निकाह की रस्में अदा कराई। मुख्यमंत्री कन्या दान योजना के तहत हरेक वधु को 49-49 हजार रुपए का चेक बैंक एकाउंट पेय चेक अतिथियों के द्वारा प्रदाय किया गया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से लाखों गरीब परिवारों बेटियों को अपने बेटी के विवाह की चिंता नहीं करनी है। बेटियों का विवाह सरकार धूमधाम से करा रही है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार गरीबों के कल्याण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। सामाजिक न्याय विभाग की समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत रविवार 25 फरवरी को संयुक्त रूप से जिले के सभी जनपदो व निकायो का संयुक्त योजना के तहत सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम आयोजित किये गए थे। तदानुसार नटेरन में कुल 33 विवाह सम्पन्न हुए है विदिशा में कुल 42 में से 36 विवाह व छह निकाह शामिल है इसी प्रकार बासौदा में 101 में से विवाह 83 व निकाह 18, कुरवाई में 68 में से विवाह 33 व निकाय 35, ग्यारसपुर में 45 विवाह तथा सिरोंज में कुल 167 में से 86 विवाह व निकाह 81 शामिल है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना तहत आकाश और मुस्कान परिणय सूत्र में बंधे

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह कार्यक्रम का आयोजन आज विदिशा के श्री रामलीला मैदान में संपन्न हुआ है। इस कार्यक्रम में जिले की विभिन्न ग्रामो व नगरीय क्षेत्रों में निवासरत गरीब कन्याओं का विवाह योजना तहत हुआ है उनमें ग्राम किरमची रुसल्ली की 19 वर्षीय कन्या मुस्कान मालवीय भी शामिल हैं। मुस्कान का विवाह गंजबासौदा विकासखंड के ग्राम सलोई निवासी 22 वर्षीय आकाश मालवीय से पूरे विधि-विधान के साथ बड़े ही धूमधाम से सम्पन्न हुआ। योजना तहत कन्या विवाह संपन्न हो जाने पर कन्या के परिवार जनों ने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से गरीब कन्याओं का विवाह पूरे रीति रिवाज के साथ संपन्न हो रहे हैं साथ ही कन्याओं को योजना तहत वित्तीय सहायता राशि भी दी जा रही है इसके लिए वर और बधू पक्ष के परिजनों ने अपनी ओर से मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना तहत वधु को 49 हजार का वित्तीय सहायता राशि का चेक भी कार्यक्रम में प्रदाय किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

9 सटोरियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई

हरदा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे के निर्देशन में अवैध गतिविधियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। थाना सिटी कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा 9 सटोरियों के विरूद्ध सट्टे की कार्यवाही की गई। इस दौरान शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में फराज खान निवासी मानपुरा, फैजान खान निवासी मदीना कॉलोनी, राहुल सोनकर निवासी सेंट मेरी स्कूल के सामने, अजय सिकलिकर निवासी बस स्टेण्ड, कमलदास कतिया निवासी पानतलाई, शाहरूख निवासी कुलहरदा, देवेन्द्र भौसारे निवासी कोलीपुरा हरदा के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने पटवारियों के डाक्यूमेन्ट सत्यापन कार्य का निरीक्षण किया

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह शनिवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुँचे। वहाँ उन्होने पटवारियों के डाक्यूमेंट सत्यापन कार्य का निरीक्षण कर जानकारी ली तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

181 से मूल निवासी सहित मिलेगी 38 तरह की सेवाएं

विदिशा (निप्र)। 4 सीएम हेल्पलाइन 181 पर एक कॉल के माध्यम से मूल निवास, आय प्रमाणपत्र, खसरा, खतौनी बी-1 और नक्शा की अप्रमाणित प्रति अपने नंबर पर प्राप्त कर सकते हैं। लोक सेवा केंद्र, एमपी ऑनलाइन, एमपी भू-लेख के माध्यम से ली जाने वाली सेवाएं खसरा, खतौनी बी-1, नक्शा की प्रमाणित प्रति के लिए 30 रुपए प्रथम पृष्ठ व अतिरिक्त पृष्ठ 15 रुपए के स्थान पर 181 पर कॉल कर मात्र 10 रुपए प्रति पेज प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल संबंधी शिकायतों के निराकरण तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

सीहोर (निप्र)। आगामी ग्रीष्म काल को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल संबंधी शिकायतों के निराकरण तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए है। कंट्रोल रूम दो पालियो में सुबह 08.00 से दोपहर 02.00 बजे तक तथा दोपहर 02.00 से रात्रि 08.00 बजे तक काम करेंगे। खंड सीहोर के लिए कंट्रोल रूम प्रभारी फिटर ग्रेड -3 श्री मेहबूब खान (मोबाईल नंबर 8305819150), प्रथम पारी के लिए सहायक ग्रेड- 3 श्री शिवांग ओझा (मो. 7999635264), द्वितीय पारी के लिए श्री विनोद जोशी (मो. 7974572380), अवकाश दिवस के लिए कार्यभारित हैण्डपम्प तकनीशियन श्री गणेश सोनी (मो. 9425682161), सहायक ग्रेड-3 श्री दिनेश पाल (मो. 9893028205) ड्यूटी लगाई गई है। उपखंड सीहोर के लिए कंट्रोल रूम प्रभारी ÷हैण्डपम्प तकनीशियन÷ श्री गणेश सोनी (मोबाईल नम्बर- 9425682161), प्रथम पारी के लिए समयपाल श्री दीपक मेवाडा (मो. 9977720478) , द्वितीय पारी के लिए हैण्डपम्प तकनीशियन श्री राकेश उपाध्याय (मो. 9993190442), अवकाश दिवस के लिए स्थायी कर्मी श्री विष्णु प्रसाद (मो. 9826474093) को नियुक्त किया गया है। उपखण्ड भैरूंदा के लिए कंट्रोल रूम प्रभारी सहायक ग्रेड-03 श्री सचिन ठाकुर (मोबाईल नम्बर-8959607853), प्रथम पारी के लिए कार्यभारित तकनीशियन श्री दुर्गेश कावरे (मो. 9752054987) द्वितीय पारी के लिए हेल्पर श्री वचन लाल गौर , अवकाश दिवस के लिए कार्यभारित हेल्पर रामचन्द्र विश्वकर्मा (गो, 7415394070) को नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह व सीईओ श्री सिसोनिया ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरदा श्री रोहित सिसोनिया ने शनिवार को निर्माणाधीन सी.एम. राईज स्कूल अबगांवकला, सी.डब्ल्यू.एस.एन. छात्रावास बागरूल, शासकीय चिकित्साल्य हंडिया, हंडिया स्थित नर्मदा वाटर फिल्टर प्लान्ट व लोक निर्माण विभाग की सड़क का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माणाधीन सी.एम. राईज स्कूल अबगांवकला का निरीक्षण कर निर्माण एजेन्सी को निर्माण कार्य में गुणवत्ता पूर्ण सामग्री लगाने व समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश पीआईयू के अधिकारी श्री दिलीप गुथिया को दिये। उन्होने लोकनिर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री सुभाष पाटिल को अबगांवकला से सी.एम.राईज स्कूल तक रोड़ का स्टीमेट बनाने के निर्देश भी दिये।

ग्राम बागरूल में जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित छात्रावास का निरीक्षण किया कलेक्टर श्री सिंह ने जिला पंचायत के सीईओ श्री सिसोनिया के साथ जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित सी.डब्ल्यू.एस.एन. छात्रावास का भ्रमण कर वहाँ की व्यवस्थाऐं देखी। उन्होने बच्चो से चर्चा कर उनसे खेलकूद गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। छात्रावास अधीक्षक को टॉयलेट साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिये। उन्होने छात्रावास में ब्रेललिपि की पुस्तकों का पुस्तकालय बनाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी व जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र को दिये।

हंडिया में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने नेत्र परीक्षण कक्ष, महिला भर्ती वार्ड कक्ष का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाएं देखी। विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य केन्द्र में बाउण्ड्रीवाल बनवाने तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हरदा को अतिक्रमण किये हुये लोगों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंण्डिया में निर्माणाधीन लेबोरेट्री भवन का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता सुधार के लिये आवश्यक निर्देश भी दिये।

रिद्धेश्वर घाट पर पौधरोपण कराने व अस्थाई चेंजिंग रूम की संख्या बढ़ाने के दिये निर्देश

कलेक्टर श्री सिंह एवं सीईओ जिला पंचायत श्री सिसोनिया ने हंडिया स्थित नर्मदा के तट पर रिद्धेश्वर घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने रिद्धेश्वर घाट को आकर्षक बनाने व खाली स्थान पर पौधरोपण कराने के निर्देश पटवारी, सचिव एवं सरपंच को दिये। उन्होने घाट पर कपड़े चेंज करने के लिये अस्थाई चेंजिग रूम की संख्या बढ़ाने के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हरदा को दिये। उन्होने उन्होने शिवरात्रि पर्व के पहले रिद्धेश्वर मंदिर के आस-पास साफ सफाई व रेलिंग की पंटिंग एवं साईड में बने शेड की मरम्मत कराने के निर्देश भी दिये।

मप्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में बनायेंगे सर्वश्रेष्ठ राज्य- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

एम्स भोपाल में 'वन स्टेट-वन हेल्थ' विचार संगोष्ठी का उप मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया

इंदौर। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचनाओं का सतत विस्तार हो रहा है। चिकित्सालय में अत्याधुनिक सेवाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में भी नवीन मेडिकल कॉलेज स्थापित किये जा रहे हैं। चिकित्सकीय विशेषज्ञों, मैनपॉवर की उपलब्धता हेतु विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तर के साथ प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी विस्तारित और सशक्त किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एम्स भोपाल में

÷वन स्टेट - वन हेल्थ÷ विचार संगोष्ठी का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा ÷वन स्टेट - वन हेल्थ÷ विचार संगोष्ठी का आयोजन सराहनीय प्रयास है। संगोष्ठी में विशेषज्ञों के मंथन से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के सुझाव मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में सहायक होंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करने के विभिन्न आयामों में कार्य किया जा रहा है। एम्स के अनुभव से निःसंदेह मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को लाभ प्राप्त होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के विभिन्न मानकों में सुधार, ग्रामीण चिकित्सा अधोसंरचना और सेवा प्रदाय को सशक्त करने के लिए अंतःक्षेपों में विशेष रूप से मंथन किया जाये।

मध्य प्रदेश ÷वन स्टेट- वन हेल्थ÷ पॉलिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश वन स्टेट वन हेल्थ पालिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। एम्स भोपाल ई-कंसल्टेशन और ई-आईसीयू के द्वारा राज्य के दूर दराज़ के इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा। अपर आयुक्त चिकित्सा शिक्षा डॉ. पंकज जैन सहित एम्स भोपाल और अन्य शासकीय तथा निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शिक्षक, चिकित्सक, विशेषज्ञ उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने कृषि उपज मण्डी का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं

हरदा (निप्र) कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने रविवार को हरदा स्थित कृषि उपज मण्डी पहुँच कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होने सचिव कृषि उपज मण्डी श्री मोहन चौहान को निर्देशित किया कि मण्डी प्रांगण की व्यवस्थाओं की सतत् मानिटरिंग एवं मण्डी कृत्यकारियों से सतत् समन्वय हेतु फायर सुरक्षा, जल व्यवस्था, सफाई, उद्यान संधारण, हम्माल-तुलावटी समन्वय, व्यापारी समन्वय, फल-सब्जी प्रांगण आदि की व्यवस्था के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त कर दायित्व सौंपें। मण्डी कर्मचारी कैलाष चंद्र कुषवाह एवं चंचलेष पटेल को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि मण्डी प्रांगण में निर्मित 2 गार्डन में मण्डी के मालियों से पौधों, घास आदि की उचित कटाई, छंटाई करायें। मण्डी प्रांगण में अग्निषमन यंत्र को पर्याप्त दूरी पर लगाएं एवं फायर सेफ्टी ऑडिट करायें। कार्यालय भवन की क्षतिग्रस्त बाउण्ड्री वॉल को डिस्मेंटल कराते हुये नवीन बाउण्ड्री वॉल का निर्माण कराएं तथा मण्डी प्रांगण में शॉपकम गोदाम क्रमांक 19 के बाजू में क्षतिग्रस्त बाउण्ड्रीवाल की मरम्मत कराएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने सचिव कृषि उपज मण्डी श्री चौहान को निर्देश दिये कि मण्डी प्रांगण में प्याऊ एवं पास ही निर्मित शौचालय के पानी के उचित निस्तारण हेतु विभागीय प्रक्रिया अनुसार ओपन अथवा भूमिगत नाली निर्माण करायें तथा प्याऊ के सामने की उखड़ी हुयी टाइल्स व्यवस्थित करायें। मण्डी प्रांगण में निर्मित श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान एवं केन्टीन में निर्मित क्यारियों में वृक्षारोपण करायें। मण्डी प्रांगण में निर्मित उद्यान, तौलकांटा एवं अन्य आवष्यक संरचनाओं में आवष्यक रंगरोगन करायें। मण्डी प्रांगण में प्याऊ, शौचालय एवं अन्य स्थलों पर साफ सफाई करायें।

प्रदेश में रेल सुविधाओं के उन्नयन से उद्योग और पर्यटन का होगा विकास - वी. डी. शर्मा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आने के बाद से मध्यप्रदेश में रेल सुविधाओं के विकास में अभूतपूर्व तेजी आई है। रेल अधोसंरचना के विकास से लेकर नई ट्रेनें चलाने तक के काम हो रहे हैं। केंद्र सरकार जितनी उदारता और तेजी के साथ प्रदेश को रेल सुविधाओं की सौगात दे रही है, उससे एक बार फिर यह साबित हो गया है कि 'मोदी के मन में एमपी' सिर्फ नारा नहीं है। यह बात बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश के 33 रेलवे स्टेशनों तथा 133 रोड ओवरब्रिज और अंडरपास के निर्माण तथा पुनर्विकास कार्यों के वर्चुअल शिलान्यास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताते हुए कही।

श्री शर्मा ने कहा कि सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश के जिन 33 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास किया है, उनमें इंदौर, मंदसौर, सीहोर, मक्सी, नागदा जंक्शन, नीमच, खाचरोद, शुजालपुर, बालाघाट जंक्शन, छिंदवाड़ा जंक्शन, मंडला फोर्ट, नेनपुर, सिवनी, अनूपपुर, बिजूरी, शहडोल, उमरिया, भिंड, दतिया, हरपालपुर, मुरैना, अशोकनगर, खिरकिया, सांची, शाजापुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, ब्यौहारी, बरगंवा, जबलपुर, उज्जैन, बीना और खंडवा स्टेशन शामिल हैं। श्री शर्मा ने कहा कि इन सभी स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनसे यात्रियों को तो आसानी होगी ही, पर्यटन का भी विकास होगा। इसके साथ ही 133 रोड ओवरब्रिज तथा अंडरपास का निर्माण भी होगा, जिनसे सड़क परिवहन में सुगमता होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में रेल सुविधाओं के विकास, विस्तार और उन्नयन से मध्यप्रदेश में पहले से मौजूद पर्यटन की अपार संभावनाओं का दोहन हो सकेगा तथा उद्योग और व्यापार का विकास होगा।

उज्जैन में 1 मार्च से शुरू होगा विक्रम व्यापार मेला

● 40 दिन चलने वाले मेले में 4 सौ से अधिक स्टॉल लगेंगे ● ऑटोमोबाइल, इलेक्टॉनिक, हस्त शिल्प उत्पाद, झूले और खान-पान के पौने चार सौ से अधिक स्टाल रहेंगे

उज्जैन। ब्रह्माण्ड के तीनों लोकों में जिन तीन शिवलिंगो को पूज्य माना गया है, उसमें पृथ्वी लोक में भगवान महाकाल की प्रधानता है जो उज्जैन में साक्षात विराजमान है। आकाशे तारकालिंगम्, पाताले हाटकेश्वरम्। मृत्युलोके महाकालं, सर्वलिंग नमोस्तुते।। अर्थात आकाश में तारकालिंग, पाताल में हाटकेश्वर तथा पृथ्वीलोक में महाकाल है। महाकाल की महानता सर्वव्यापी है। महाकाल तो महाकाल है, वही जगत के स्त्रष्टा भी हैं। इस भू-लोक में महाकाल कहां विराजित हैं इस जिज्ञासा की पूर्ति के लिए वराह पुराण में कहा गया है कि ÷नाभिदेशे महाकालस्तन्नाम्ना तत्र वै हर÷। यह नाभिदेश उज्जैन ही है। उज्जैन का गौरव महाकाल है, महाकाल की महिमा अपूर्व है। शिव पुराण के अनुसार द्वादश ज्योतिर्लिंगों में महाकाल प्रसिद्ध है क्योंकि वे स्वयं कालों के काल हैं। कर्क रेखा उज्जैन से ही गुजरती है, जिसके केन्द्र के रूप में कर्कराजेश्वर मंदिर विद्यमान है। प्राचीन भारत की 16 महाजनपदों में शुमार अवंति वर्तमान मालवा क्षेत्र की राजधानी (परिवर्तित नाम ङ्क उज्जैन) व्यापार का बडा केन्द्र हुआ करता था। उज्जैन सोयाबीन तेल और कपड़ा उत्पादन का सबसे बडा केन्द्र भी माना जाता था, मगर कुछ नीतियों और मशीनों में बदलाव न होने से ये उद्योग धीरे-धीरे बंद होते चले गए।

विभिन्न प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनियों के शोरूम्स बनाये जायेगे

वर्तमान परिवेश में सरकार द्वारा पुनर्-उज्जैन नगरी के उद्योग /व्यापार छवि को पुनर्जीवित करने के प्रयास के रूप में 40 दिवस तक व्यापार मेला का आयोजन दशहरा मैदान एवं पीजीबीटी मैदान उज्जैन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई विभाग), औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन विभाग, जिला प्रशासन उज्जैन एवं नगर पालिका निगम उज्जैन की सहभागिता से किया जा रहा है। 1 मार्च से 9 अप्रैल तक के बीच लगातार 40 दिन मेले में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक, हस्तशिल्प उत्पाद, झूले और खान-पान की दुकाने लगेगी। ऋण सुविधा के लिए 10 बैंकों के स्टाल भी लगेंगे। मेला 08 हेक्टेयर भूमि पर लगाया जा रहा है। मेला स्थल दशहरा मैदान एवं पीजीबीटी मैदान पर कुल 384 प्लाट, दुकानें रहेंगी। इनमें से 182 दुकाने पीजीबीटी मैदान में नगर निगम द्वारा निर्मित की जाकर आवंटित की जायेगी। मेला स्थल पर विभिन्न ऑटोमोबाइल कंपनियों के शोरूम्स बनाये जायेगे। जैसे ङ्क मर्सडिज - बेंज, मारूति सुजुकी, किया, महिंद्रा, टाटा मोटर्स, हुंडाई, यामाहा, नेक्सावं, हीरो, होण्डा , रॉयल इंफिल्ड, वोक?स वेगन, हार्लेडेविसन आदि कंपनियों के वाहन उपलब्ध होगे।

मेले में सामान बाजार दर से रियायती कीमतों पर मिलेगा

मेले में सामान बाजार दर से रियायती कीमतों पर उपलब्ध करवाना मुख्य उद्देश्य है। मेला स्थल से वाहन खरीदने पर पंजीयन शुल्क और रोड टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट भी मिलेगी। उज्जैन व्यापार मेला के परिणाम स्वरूप उज्जैन नगरी निवेश एवं पर्यटन व व्यापार केन्द्र के रूप में स्थापित होगी। जिसका लाभ रहवासियों को रोजगार के रूप में भी होगा। साथ ही साथ मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र के नागरिकों को नवीन वाहन खरीदने पर पंजीयन शुल्क एवं रोड़ टैक्स की छूट का लाभ मिलेगा। व्यापार मेले में प्रदेश के उद्यमियों, व्यापारियों को विपणन का अवसर मिलेगा। जिससे क्षेत्रीय उत्पादों, संस्कृति, कला एवं पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उज्जैन धार्मिक नगरी के रूप में विद्यमान है इसमें बडे गणेश मंदिर, श्री चिंतामन गणेश मंदिर, हरसिद्धि मंदिर, सिद्ध वट, काल भैरव मंदिर, सांदीपनि आश्रम, इस्कॉन मंदिर, गड़कालिका मंदिर, मंगलनाथ गोपाल मंदिर, नवग्रह मंदिर (त्रिवेणी), चौबीस खंबा मंदिर, नगरकोट की रानी, राम-जनार्दन मंदिर, वेद शाला (वेधशाला) प्रमुख स्थल है। जिससे व्यापार मेले में आने वाले व्यापारी एवं नागरिकों को कला एवं संस्कृति तथा धार्मिक लाभ मिलेगा।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

इंदौर, मंगलवार 27 फरवरी , 2024

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए पंजीयत किसानों के भूमि/फसल/रकबे का राजस्व विभाग के अमले द्वारा होगा सत्यापन

32 हजार किसानों का हुआ पंजीयन

इंदौर। इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है। जिले में अभी तक 32 हजार से अधिक किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। पंजीयत किसानों के भूमि/फसल/रकबे का राजस्व विभाग के अमले द्वारा सत्यापन भी कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये है कि सभी पंजीयत किसानों के भूमि/फसल/रकबे का सत्यापन 10 मार्च तक अनिवार्य रूप से कर लेंवे।

जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2024-25 में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों के विभिन्न श्रेणियों के किसानों के रकबे, फसल एवं फसल की किस्म का सत्यापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/तहसीलदार/नायब तहसीलदार द्वारा ई-उपार्जन पोर्टल पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसे किसान जिनके विगत वर्ष के पंजीयन से 50 प्रतिशत अधिक रकबा दर्शाया गया है, 2 हेक्टेयर से अधिक के पंजीकृत किसान, 4 हेक्टेयर से अधिक रकबा वाले किसानों, सिकमी, बटाईदार, कोटवार किसान, कृषक के आधार नंबर एवं खसरे में नाम में भिन्नता वाले किसान (जिन किसानों में विगत वर्ष में मिलान हो चुका है उनको छोडकर), नवीन पंजीयन (जिन किसानों द्वारा विगत वर्षों में पंजीयन नहीं कराया गया), नवीन पंजीकृत किसान (जिन किसानों द्वारा पहली बार पंजीयन कराया गया), विगत वर्ष के पंजीकृत किसानों में से 10 प्रतिशत किसानों के रेण्डम आधार पर फसल एवं रकबे का सत्यापन, अन्य के स्वामित्व की भूमि, वन पट्टाधारी किसानों के रकबे, फसल एवं फसल की किस्म का सत्यापन वन विभाग के अमले द्वारा किया जायेगा।

इंदौर से बुधनी तक किसान कर रहे जमीन अधिग्रहण का विरोध

इंदौर। इंदौर-बुधनी रेल लाइन और पश्चिमी रिंग रोड के लिए अधिकृत की जाने वाली किसानों की उपजाऊ जमीन को लेकर विरोध तीन माह से जारी है। इंदौर से शुरू हुआ विरोध देवास होते हुए बुधनी तक पहुंच चुका है। धरना प्रदर्शन के साथ ही किसान सांसदों और मुख्यमंत्री तक ज्ञापन सौंप चुके हैं। इसके बाद भी अब तक कहीं भी किसानों की सुनवाई नहीं हुई है। किसान जमीन अधिग्रहण के बदले वर्तमान बाजार भाव के दोगुना मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं, जबकि शासन द्वारा दो साल पहले की गाइडलाइन के अनुसार मुआवजा दिया जा रहा है। इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन और आउटर रिंग रोड इंदौर, इंदौर-बैतूल एक्सप्रेस-वे एवं पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के प्रभावित किसान नसरुल्लागंज में दो दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे। वहीं इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन जमीन अधिग्रहण के विरोध में कन्नौद क्षेत्र के किसान विजयपुर महादेव मंदिर से बाइक रैली निकालेंगे। दोनों कार्यक्रमों में इंदौर जिले के हजारों किसान शामिल होंगे। पूर्व जनपद सदस्य एवं किसान नेता हंसराज मंडलोई एवं बुधनी विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता सूरत सिंह मकवाना ने बताया कि जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसान पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के विधानसभा क्षेत्र बुधनी के ग्राम नसरुल्लागंज में अपनी मांगों को लेकर दो दिन धरना देंगे और ज्ञापन सौंपेंगे। किसान नेता पंडित संतोष शर्मा, अभिषेक पंचोली सहित सभी किसान नेताओं ने प्रदेश सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक हमारी मांगों का निराकरण नहीं होता तब तक हम पीछे नहीं हटेंगे। हम दिल्ली की तर्ज पर आंदोलन चलाएंगे। इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन का फिर से सर्वे करवाया जाए, उसे सरकारी एवं वन भूमि में से निकाला जाए। बाजार मूल्य से दो गुना हमें मुआवजा दिया जाए।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से इंदौर जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन किया है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार संयुक्त कलेक्टर गोपाल वर्मा को खुड़ेल क्षेत्र का अनुविभागीय अधिकारी एवं दण्डाधिकारी बनाया गया है। इसी तरह डिप्टी कलेक्टर विनोद राठौर को राऊ, अजीत कुमार श्रीवास्तव को सांवेर तथा चरणजीत सिंह हुड्डा को महू क्षेत्र का अनुविभागीय अधिकारी एवं दण्डाधिकारी बनाया गया है।

अफसरों का दावा - इसी माह तैयार हो जाएगा मोती तबेला में बनाया जा रहा झूला पुल

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत मोती तबेला चौराहे से सीपी शेखर नगर को जोड़ने वाले झूला पुल का काम तेजी से चल रहा है और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अफसरों का दावा है कि इसी माह पुल का काम पूरा कर लिया जाएगा।सीपी शेखर नगर में बनाए गए उद्यान को बेहतर ढंग से संवारने के बाद अब स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने सीपी शेखर नगर उद्यान के मोती तबेला चौराहे तक झूला पुल का काम शुरू कराया है। इसके चलते वहां पिछले कई दिनों से कान्ह नदी के हिस्से पर अलग-अलग हिस्से में कार्य चल रहे हैं, साथ ही रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के तहत चेकडेम भी बनाया गया है। कार्यपालन यंत्री डीआर लोधी के मुताबिक झूला पुल पर करीब चार करोड़ का खर्चा आएगा और इसका काम संभाल रही एजेंसी के अधिकारियों के साथ वहां दौरा किया गया था। पुल निर्माण का अधिकांश काम पूरा कर लिया गया है और संभवत-इसी माह इसके सारे काम पूरे कर लिए जाएंगे। उनका कहना है कि झूला पुल निर्माण के बाद पूरे आसपास के हिस्सों में आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की जाएगी। इसके लिए कई नई तकनीक की एलईडी लगाने के साथ-साथ कई अन्य कार्य किए जाएंगे।

न्याय यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की कड़ी परीक्षा

इंदौर। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद जीतू पटवारी के सामने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफल बनना एक बड़ी चुनौती और अग्नि परीक्षा साबित होने वाला है। पटवारी को डर है कि कहीं गुटबाजी के चक्कर में उनके नेतृत्व की हवा न निकल जाए। इसे लेकर कल से वे फिर यात्रा को लेकर बैठकों का दौर शुरू कर रहे हैं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा को प्रदेश में कितना फायदा मिलेगा, यह भी प्रदेश नेतृत्व पर निर्भर है। लोकसभा चुनाव के ऐन पहले निकलने वाली इस यात्रा को लेकर जीतू पटवारी भी फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। पिछले दिनों जिस तरह से कमलनाथ को लेकर अफवाह चलीं, उससे तो तय हो गया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी में सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। इसको लेकर पटवारी ने अपने समर्थकों को भारत जोड़ो न्याय यात्रा की जवाबदारी सौंपी है, फिर भी वे यात्रा को लेकर काफी सजग हैं। अध्यक्षीय कार्यकाल का ये पहला बड़ा कार्यक्रम है और वे नहीं चाहते कि इसमें वे असफल हो जाएं। इसलिए कल से वे एक बार फिर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने जा रहे हैं। वे 1 मार्च तक लगातार बैठक लेंगे। इस दौरान वे मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, धार और उज्जैन जिले का दौरा करेंगे। जिन लोगों को यात्रा में अलग-अलग जवाबदारी सौंपी गई है, उनसे वे वन-टू-वन मुलाकात भी करेंगे।प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि कल दोपहर वे मुरैना पहुंच रहे हैं, जहां से राहुल गांधी की यात्रा प्रदेश में प्रवेश करने वाली है। 2 मार्च को यह यात्रा प्रदेश में आएगी और 6 मार्च को रवाना होगी। पटवारी रात ग्वालियर में ही रुकेंगे और कार्यकर्ताओं से भी चर्चा करेंगे। दूसरे दिन 28 फरवरी को सुबह 10 बजे मोहना में, दोपहर 12 बजे शिवपुरी, दोपहर 2 बजे कोलारस, दोपहर 4 बजे गुना में तैयारियों की समीक्षा बैठक में भाग लेने के साथ-साथ 29 तारीख को 11 बजे बदनावर, डेढ़ बजे बड़नगर और उसी दिन शाम 4 बजे उज्जैन पहुंचेंगे। इस दिन वे इंदौर आ जाएंगे और फिर 1 मार्च को मुरैना रवाना होंगे, जहां दूसरे दिन वे राहुल गांधी की यात्रा का स्वागत करेंगे।

समग्र पोर्टल में आधार ई-केवाईसी अनिवार्य

इंदौर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजना में संचालित सभी योजनाओं में समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। अब किसी भी हितग्राही को विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए समग्र पोर्टल पर स्वयं का आधार ई-केवायसी करना होगा। समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी के बाद ही विभागीय पोर्टल पर आवेदन दर्ज हो सकेगा। जिन योजनाओं में ऑनलाइन प्रणाली नहीं है, उनमें आवेदन को स्वीकृत करने से पहले संबंधित स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी की पुष्टि की जायेगी। पुष्टि के बाद ही नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की जायेगी। विभाग की सभी योजनाओं में आधार ई-केवायसी अनिवार्य करने, बैंक खाता आधार लिंक और डीबीटी सक्रिय कराने के निर्देश दिये है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा समग्र पोर्टल पर नागरिकों की आधार ई-केवायसी की कार्यवाही की जा रही है। विभाग द्वारा संचालित सभी पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का भी आधार ई-केवायसी सुनिश्चित करें। हितग्राहियों तक ई-केवायसी सुविधा पहुँचाने के लिए समग्र सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अपने क्षेत्र में संचालित सेवा प्रदाता एजेंसी और जिला/ सहायक ई-गवर्नेंस प्रबंधकों से समन्वय कर ग्राम पंचायत या वार्ड स्तर पर शिविर लगा कर अधिक से अधिक हितग्राहियों का आधार ई-केवायसी सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायत सचिव और वार्ड प्रभारी द्वारा भी समग्र पोर्टल पर हितग्राहियों का आधार ई-केवायसी किया जा सकता है। हितग्राही और आवेदक को अपने बैंक खाता नंबर आधार से लिंक कराने और खाता डीबीटी सक्रिय कराने के लिए जागरूक करें।

जल्द तैयार होगा इंदौर रेलवे स्टेशन का नया भवन - प्रधानमंत्री मोदी

इंदौर। इंदौर रेलवे स्टेशन के भवन के पुनर्निर्माण के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली भूमिपूजन किया। सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। 494.29 करोड़ की लागत से यह भवन 42 माह में तैयार होगा। यहां एयरपोर्ट की तरह यात्री सुविधाएं मिलेंगी। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि 50 वर्षों की आवश्यकताओं के अनुसार नया भवन बनाया जाएगा। भविष्य में इंदौर-दाहोद, इंदौर-खंडवा परियोजना पूरी होने से ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी। यह बड़े जंक्शन के रूप में काम करेगा। भविष्य में स्टेशन पर प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्रियों का आवागमन होगा। वर्तमान में इंदौर स्टेशन से 2800 क्विंटल पार्सल हैंडल किया जाता है, जो भविष्य में बढ़कर 10 हजार क्विंटल होने की संभावना है। नए स्टेशन बनने से इंदौर के व्यापार को भी गति मिलेगी। बिजली,पानी,साफ-सफाई, रखरखाव पर हर साल खर्च होते हैं चार करोड़ रुपये सांसद लालवानी ने बताया कि अनुमान के मुताबिक वर्तमान में रेलवे लगभग चार करोड़ रुपये प्रतिवर्ष बिजली, पानी, साफ सफाई और रखरखाव पर खर्च करता है। इसमें से रेलवे पार्सल को छोड़कर 2.89 करोड़ रुपये का राजस्व अलग-अलग स्रोत से प्राप्त करता है। वर्तमान में प्रतिदिन 2460 प्लेटफार्म टिकट बिकते हैं, जो भविष्य में पांच से सात गुना तक बढ़ने का अनुमान है। नए स्टेशन पर जो बिजली विभिन्न कार्यों में खर्च होगी, उसका कम से कम 10 फीसद सौर ऊर्जा से प्राप्त होगा।

दो वर्ष से बंद पड़ी ब्रैकीथेरेपी मशीन

इंदौर। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सरकार हमेशा गंभीर रहने का दिखावा करती है, लेकिन धरातल पर ऐसा कुछ भी नजर नहीं आता है। कैंसर अस्पताल में पिछले दो वर्ष से ब्रैकीथैरेपी बंद पड़ी है। यह मशीन काफी पुरानी हो गई है और किसी काम की नहीं है। अभी तक यहां नई मशीन नहीं आई पाई है। अस्पताल प्रशासन ने इसके लिए भोपाल पत्र भी भेजा है। मंजूरी देते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एमजीएम मेडिकल कालेज को उक्त राशि देने के निर्देश दिए हैं।नई ब्रैकीथैरेपी मशीन की स्थापना के लिए प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है। इसके लिए दो करोड़ रुपये राशि का अनुदान भारत पेट्रोलियम की और से स्वीकृत भी है, वहीं शेष राशि करीब ढाई करोड़ रुपये शासन को वहन करना है। यदि इस वित्तीय वर्ष में यह मशीन नहीं मिल पाएंगी तो भारत पेट्रोलियम भी इसकी स्वीकृत राशि नहीं दे पाएगा। इसके बाद भी शासन की ओर से कार्रवाई नहीं की जा रही है। शासन के इस सुस्त रवैया का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि हम कई बार नई मशीन के लिए पत्र लिख चुके हैं।प्रदेश के समस्त मेडिकल कॉलेजों में सिर्फ एमजीएम मेडिकल कालेज में ब्रैकीथैरेपी मशीन का उपयोग किया गया जा रहा था। इससे वर्ष 2004 से कैंसर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। वर्तमान में ब्रैकीथेरेपी मशीन के चालू न होने से इलाज नहीं किया जा रहा है। आरआरबी के नियम अनुसार कोई भी मशीन चलाने के लिए मशीन पूरी तरह से दुरुस्त होना चाहिए और सेवा प्रदाता कंपनी द्वारा उक्त मशीन का रखरखाव की जिम्मेदारी लेना अनिवार्य है। इससे किसी भी रेडिएशन एक्सीडेंट का खतरा न रहे। सेवा प्रदाता कंपनी द्वारा लाइफ समाप्ति डिक्लेअर करने के बाद मशीन को उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसी कारण के चलते इस मशीन को बंद कर दिया गया है।

मरीजों के लिए आवश्यक है ब्रैकीथेरेपी

ब्रैकीथेरेपी एक प्रकार की रेडिएशन थेरेपी है, जिसमें रोगी के अंदर एक उपकरण (कैथेटर/इम्प्लांट) लगाया जाता है। यह उपकरण रेडियोएक्टिव पदार्थों को अपने पास की कैंसर कोशिकाओं तक पहुंचाता है और उन्हें नष्ट कर देता है। इस तरीके से कैंसर कोशिकाओं को मारने या उन्हें बढ़ने से रोकने के लिए शरीर के सटीक क्षेत्रों में रेडिएशन की डोज दी जाती है। इस थेरेपी का उपयोग अक्सर सिर और गर्दन, स्तन, सर्विक्स, प्रोस्टेट, आंख और हाथ-पैर के कोमल ऊतक सार्कोमा के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है।

निजी अस्पताल में भी नहीं है यह सुविधा

ब्रैकीथेरेपी से सिलेक्टेड कैसे में ही इलाज किया जाता है, जिसके कारण रनिंग कास्ट नहीं निकल पाती है। इस वजह से निजी अस्पताल में भी इस मशीन को उपयोग नहीं किया जाता है। प्रदेश के सभी शासकीय मेडिकल कालेज में से केवल एमजीएम मेडिकल कालेज में यह मशीन कार्यरत थी, जो अब बंद हो गई है। कैंसर अस्पताल के सह प्राध्यापक एवं रेडियोथेरेपी प्रभारी डा. ओपी गुर्जर ने बताया कि मशीन से 2004 से कैंसर मरीजों का इलाज किया जा रहा था। वर्तमान में ब्रैकीथेरेपी मशीन के चालू नहीं होने से इलाज नहीं हो रहा है।

इंदौर जिले में आज से लगेगी जापानी बुखार की वैक्सीन

इंदौर। बच्चों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग एक और नई इबारत लिखने जा रहा है। %जापानी बुखार% से बच्चों को बचाने के लिए 27 फरवरी 2024 से टीकाकरण सारणी में एक और नया टीका जुड़ रहा है, वह है जे.ई. (जापानी एन्सेफलाइटिस)। इस टीकाकरण का शुभारम्भ कार्यक्रम 27 फरवरी को सुबह 10 बजे पीसी सेठी चिकित्सालय में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री शंकर लालवानी रहेंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव करेगें।

यह अभियान इंदौर सहित प्रदेश के चार जिलों में शुरू किया जाएगा। जिसमें इंदौर सहित भोपाल, सागर एवं नर्मदापुरम सम्मिलित है। इसके पूर्व विदिशा एवं रायसेन जिले में यह अभियान चलाया जा चुका है। जहाँ अब नियमित टीकाकरण में भी यह टीका दिया जाने लगा है। %जापानी बुखार% के सर्वाधिक प्रकरण उत्तर प्रदेश से सामने आए हैं। मध्यप्रदेश में भी %जापानी बुखार% के प्रकरण रिपोर्ट किए जा चुके हैं। अभियान के अंतर्गत यह टीका 01 से 15 साल के आयु वर्ग के बच्चों को लगाया जाएगा। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि यह जापानी दिमागी बुखार है, इससे संक्रमित होने पर बच्चे को झटके आते है, बेहोशी होती है और अत्यंत गंभीर स्थिति में मृत्यु भी हो सकती है।

इस वायरल बीमारी से बचने का सबसे सुरक्षित उपाय टीकाकरण है। प्रारंभ में सभी टीकाकरण केन्द्रों पर सामुदायिक स्तर पर टीकाकरण किया जाएगा और फिर नियमित टीकाकरण सारणी में यह टीका जुड़ जाएगा। इसके साथ ही पहले टीकाकरण के माध्यम से बच्चों को 11 बीमारियों से सुरक्षा मिलती थी, जो अब बढ़कर 12 बीमारियों से सुरक्षा मिलेगी। सभी परिजनों से यह अपील है गई कि वे अपने 01 से 15 साल के बच्चों को इस बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए जे.ई. का टीका अवश्य लगवाएं।

इंदौर में गश्त के पहले बेखौफ बदमाश

द्वारकापुरी में 19 साल के युवक के पेट में घोपा चाकू, आंतें बाहर आईं तो कराना पड़ी सर्जरी

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में रविवार रात चाकू बाजी की घटना हो गई। बदमाशों ने 19 साल के कारपेंटर को घर से बुलाकर पेट में चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया। देर रात द्वारकापुरी पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने सुबह थाने आकर केस दर्ज कराने की बात की। परिवार के मुताबिक रात में उसका आपरेशन कराना पड़ा। 12 घंटे बाद होश आया। द्वारकापुरी स्थित आकाश नगर में रविवार रात करीब 9 बजे के दीपांशु उर्फ दीपेन्द्र पाल को राजा ने बात करने के लिए बुलाया। बातचीत के दौरान पेट में चाकू घोंप दिया। हमला इतना तेज था कि दीपेन्द्र के पेट की आंतें बाहर आ गईं। चाकू मारने के बाद आरोपी मौके से भाग गया। दीपेंद्र को बेसुध देखकर परिवार के लोग उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल ले गए। रात में यहां से द्वारकापुरी थाने पर सूचना दी गई। पुलिस ने गश्त होने की बात करते हुए सुबह थाने आकर एफआईआर करने की बात कही। दीपेन्द्र के पिता ने बताया कि उनका इकलौता बेटा फर्नीचर का काम करता है। आरोपी राजा इलाके में नशाखोरी और आवारागर्दी करता है। बेटे से शुरू से ही वह खुन्नस रखता था। कुछ माह पहले राजा से बेटे की कहासुनी हुई थी। उसी पर बात करने के लिये उसने बेटे को घर से बाहर बुलाया था।

मिल मजदूर अब भी मुआवजे से दूर

इंदौर। कोर्ट के आदेश के बावजूद हुकुमचंद मिल के 75 प्रतिशत से ज्यादा मजदूर मुआवजे के लिए भटक रहे हैं। उन्हें और उनके स्वजन समझ नहीं पा रहे कि जब वर्ष 2017 में उन्हें मुआवजा दिया जा चुका है तो इस बार वर्ष 2024 में क्या दिक्कत आ रही है। मजदूरों की परेशानी यह भी है कि मिल बंद होने के बाद मिल से मिलने वाली वेतन पर्ची को उन्होंने कभी इतना महत्व नहीं दिया जितना जांच समिति दे रही है। मजदूरों से इस बात के सबूत मांगे जा रहे हैं कि वे मिल में काम करते थे। इसके लिए समिति ने उनसे वेतन पर्ची दिखाने को कहा है। अब परेशानी यह है कि 33 वर्ष पहले बंद हो चुकी मिल की वेतन पर्ची मजदूर लाएं तो कहां से। 12 दिसंबर 1991 को जिस दिन हुकुमचंद मिल बंद हुआ था उसमें 5895 मजदूर काम करते थे।

इन मजदूरों का भविष्य निधि खाता भी था और ये मजदूर उसमें नियमित योगदान देते भी थे। वर्ष 2017 में जब कोर्ट के आदेश के बाद शासन ने मजदूरों के पक्ष में 50 करोड़ रुपये जारी किए थे उस वक्त भी इन्हीं मजदूरों को भुगतान हुआ था जो आज भटक रहे हैं।

मजदूर नेता नरेंद्र श्रीवंश के मुताबिक, 5895 मजदूरों में से अब तक सिर्फ 1400 के ही बैंक खाते में पैसा पहुंचा है। शेष तो अब भी दस्तावेज जुटाने में लगे हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी उन मजदूरों के स्वजन की है जिनकी पत्नी की भी मृत्यु हो चुकी है। इन स्वजन के लिए मजदूर की वेतन पर्ची संभाल पाना आसान नहीं है। बकौल श्रीवंश वर्ष 2017 में हुए भुगतान में इक्का-दुक्का मामलों को छोड़ दें तो भुगतान को लेकर कहीं कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया था। मजदूरों की मांग है कि जिस तरह से और जिस आधार पर वर्ष 2017 में उन्हें भुगतान किया गया था उसी तरह इस बार भी किया जाए।

पति ने छुरे से हमला किया, फिर ईंट मारी

सास और ननंद ने महिला को पकड़ा; दूसरी पत्नी को लेकर चल रहा है विवाद

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा में रहने वाली 30 साल की महिला पर पति ने छुरे से हमला कर दिया। बताया जाता है कि दोनों के बीच दो-तीन माह से विवाद चल रहा था। रविवार शाम वे आमने-सामने हो गए। पुलिस ने रात में महिला के बयान के बाद हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक पूजा परमार निवासी नरवर ने बताया कि वह अपने दो बच्चों के साथ रहती है। पति जितेन्द्र परमार ने एक अन्य महिला गायत्री से भी शादी रचा ली। पति जितेन्द्र दो तीन माह से इसी कारण से घर नहीं आया। इसी बात को लेकर हम दोनों के बीच विवाद होता है। रविवार शाम को जब वह तबीयत खराब होने पर दवाई लेकर सो रही थी। तभी पति जितेन्द्र उसकी मां बसंतीबाई, ननंद पायल और दूसरी पत्नी गायत्री घर में घुस गए। सभी ने अपशब्द कहकर मेरे साथ मारपीट करना शुरू कर दी। पति जितेन्द्र ने छुरा उठा लिया। सास और अन्य लोगों ने मुझे पकड़ लिया। पति ने कहा बहुत मुंह चलाती है। आज तुझे मार ही डालूंगा। यह कहकर छुरे से मेरे सिर पर वार कर दिया। फिर दोनों हाथों पर चाकू मारा। इसके बाद सास, ननंद और गायत्री वहां से भाग गए। पति जितेन्द्र फिर भी वहीं रुका रहा। उसने ईंट उठाई मेरे सिर पर दे मारी। इसके बाद वापस छुरे से वार करने लगा। उसने एक के बाद एक कई वार किये। जब बालकनी की तरफ भागी तो पीछे से पकड़ लिया। इसके बाद फिर पीठ ओर कंधे पर छुरे से वार किया। पूजा ने बताया कि चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिये आए। तभी पति जितेन्द्र लोगों को धक्का देकर छुरा हाथ में दिखाकर मौके से भाग गया।

न्यूड वीडियो कॉल कर ड्राइवर को ब्लैकमेल किया

- बदनामी से घबराकर 30 हजार ट्रांसफर किए; क्राइम ब्रांच ने कहा कई गैंग काम कर रही

इंदौर। इंदौर में न्यूड वीडियो कॉलिंग कर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने ऐसा करके 30 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर भी करवा लिए। क्राइम ब्रांच ने शिकायत के बाद जांच शुरू कर दी है। घटना द्वारकापुरी की है। यहां रहने वाले एक ड्राइवर ने सोमवार को क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया से ठगी की शिकायत की। ड्राइवर ने बताया कि 21 फरवरी से लगातार उसके मोबाइल पर कॉल आ रहे। जिसमें एक महिला ने पहले न्यूड वीडियो कॉलिंग कर उनके फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दे रही है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 27 फरवरी , 2024

संपादकीय | दुनिया की मात्र 8 प्रतिशत आबादी पूर्ण लोकतंत्र में रहती है

इकोनॉमिस्ट इंटैजीलैंस यूनिट द्वारा जारी लोकतंत्र सूचकांक विश्व स्तर पर लोकतंत्र की स्थिति के बारे में रुझानों का खुलासा करता है। इस वर्ष चुनाव कराने वाले 70 देशों में से केवल 43 में पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रक्रिया हुई। सूचकांक एक कठोर वास्तविकता को उजागर करता है। दुनिया की 8 प्रतिशत से भी कम आबादी पूर्ण लोकतंत्र में रहती है जबकि लगभग 40 प्रतिशत सत्तावादी शासन के तहत रहती है। सबसे लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में नॉर्वे इस सूची में शीर्ष पर है, जबकि अफगानिस्तान सबसे निचले स्थान पर है। भारत, हालांकि अपनी रैंकिंग में सुधार दिखा रहा है, फिर भी इसे 'त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

चीन और भारत दोनों ने 2023 में कुछ सुधार देखे। चीन का स्कोर बढ़ गया, लेकिन अभी भी इसे बहुत कम लोकतंत्र स्तर पर माना जाता है, जो मुख्य रूप से सरकार द्वारा नियंत्रित है। हालांकि भारत के लोकतंत्र को त्रुटिपूर्ण माना जाता है, फिर भी इसका स्कोर चीन से बेहतर है और इसकी राजनीतिक व्यवस्था अधिक खुली है। चीन में, सुधार वास्तविक से अधिक औपचारिक थे। उसने सेना पर नियंत्रण कड़ा कर दिया और अपनी संसद में महिला सांसदों की संख्या बढ़ा दी। हालांकि, वास्तविक शक्ति अभी भी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पास है, जो ज्यादातर पुरुष-प्रधान है। भारत में, सरकार और राजनीतिक संस्कृति में सुधार हुआ, लेकिन नागरिक स्वतंत्रता में झटका लगा, विशेष रूप से मणिपुर में।

पीछे मुड़कर देखें, तो भारत ने अपनी लोकतांत्रिक यात्रा में दो महत्वपूर्ण असफलताओं का अनुभव किया है-जून 1975 से मार्च 1977 तक आपातकाल की अवधि और 2014 में नरेंद्र मोदी के चुनाव के साथ शुरू हुई हालिया गिरावट। मोदी के कार्यकाल के दौरान, औपचारिक लोकतांत्रिक संस्थाएं बरकरार रहीं। हालांकि, मोदी सरकार ने ऐसी नीतियां लागू की हैं जो राजनीतिक स्वतंत्रता को कमजोर करती हैं और समावेशिता की वकालत करने वाली आवाजों को दबाती हैं। मोदी प्रशासन ने 2014 से गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) के खिलाफ अवांछित कार्रवाई की है। भारत का नागरिक समाज, जिसमें 200,000 से अधिक पंजीकृत एन.जी.ओ. शामिल हैं, देश के विकास और लाखों गरीब भारतीयों की भलाई में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। फिर भी, सरकार की नीतियों, जिनमें विदेशी फंडिंग पर सीमाएं और गैर सरकारी संगठनों पर लक्षित अन्य नियम शामिल हैं, को आलोचना का सामना करना पड़ा है। केर्न्स इंस्टीच्यूट के रिसर्च फैलो केरिन सिम्स, ईस्ट एशिया फोरम में लिखते हैं ''वास्तव में, मोदी के नेतृत्व ने अवरोधन की राजनीति को आगे बढ़ाया है, व्यापक नीतियों को लागू किया है जो राजनीतिक स्वतंत्रता को खत्म करती हैं और समावेशिता के समर्थकों को चुप कराती हैं। काम में रुकावट डालने की इस राजनीति को देखने के लिए, किसी को भिखारियों को बेदखल करने और झुग्गियों को छुपाने की घटनाओं पर गौर करने की जरूरत नहीं है, जो जी-20 शिखर सम्मेलन की अगुवाई में हुई थी। यह गिरावट इंदिरा गांधी के तहत आपातकाल के बिल्कुल विपरीत है, जिसके दौरान उन्होंने औपचारिक रूप से कई लोकतांत्रिक संस्थानों को नष्ट कर दिया था, जिसमें चुनाव पर प्रतिबंध लगाना, राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालना, नागरिक स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करना, स्वतंत्र मीडिया को सैंसर करना और अदालतों के अधिकार को कमजोर करने वाले संवैधानिक संशोधन पारित करना शामिल था। इसलिए, मैं तर्क दूंगा कि भारतीय लोकतंत्र अपने परिचित रूप में कायम है, जो इसकी गड़बड़ी और लोकतांत्रिक और सत्तावादी विशेषताओं के बीच परस्पर क्रिया की विशेषता है। तो हम भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिए क्या कर सकते हैं? खैर, भारत के लिए अपने लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने का सबसे अच्छा मजबूत रास्ता जमीनी स्तर के समर्थन के साथ एक वास्तविक विपक्षी दल के उदय पर निर्भर करता है। अतीत में, कांग्रेस ने इस भूमिका को निभाया, लेकिन 1969 में इंदिरा गांधी की सत्ता को मजबूत करने की कार्रवाइयों के कारण इसके जमीनी स्तर के संपर्क गायब हो गए। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अपने गढ़ से परे भी वायदा दिखाया है, लेकिन निरंतर विकास के लिए दोनों पार्टियों को विकसित होने की जरूरत है। प्रभावी शक्ति के लिए व्यक्तिगत आंकड़ों से परे सुव्यवस्थित संरचनाओं की आवश्यकता होती है।

दुर्भाग्य से, राष्ट्र ने फली नरीमन को खो दिया जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए खड़े थे और स्वतंत्र भाषण के समर्थक थे और बार-बार इस बात पर प्रकाश डालते थे कि निष्पक्ष और स्वतंत्र न्यायाधीश संविधान की मूल विशेषता हैं। वे कहते थे ''मुझे यह सोचने और महसूस करने के लिए बड़ा किया गया है कि अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक समुदाय के साथ, भारत के अभिन्न अंग हैं। मैं धर्मनिरपेक्ष भारत में रहा हूं और फला-फूला हूं। यदि ईश्वर ने चाहा तो समय आने पर मैं भी धर्मनिरपेक्ष भारत में मरना चाहूंगा।''

सोशल मीडिया से...

इस बेपनाह मोहब्बत के लिए उत्तर प्रदेश का आभार! हम आपकी आंखों में बदलाव की आंधी देख रहे हैं। जैसा प्रियंका ने कहा - हमें बदलाव लाना है और भाजपा की सरकार को उखाड़ कर फेंक देना है। जुड़ेगा उत्तर प्रदेश, जीतेगा देश।

राहुल गांधी
लोकसभा के सदस्य

भाजपा की युवा विरोधी सोच और गतिविधियों के ख़िलाफ़ उप्र के युवाओं के दस गुना बढ़ चुके आक्रोश को देखकर तो ये लग रहा है कि 80 की 80 क्या, अगर उप्र में 800 सीटें भी होती तो भी युवा भाजपा को हर एक सीट पर हरा देते।

अखिलेश यादव
उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य

हर तरफ़ एक ही चर्चा, एक ही शोर फिर से आ रहा न्याय का दौर उनकी नींद उड़ चुकी है. अब INDIA मज़बूती से तानाशाही के खिलाफ खड़ा है. मजबूत विपक्ष मिलकर के मजबूत भारत का रास्ता तैयार कर रहा है.

भूपेश बघेल
पूर्व सीएम छत्तीसगढ़

दिल्ली की सातों सीट इंडिया गठबंधन जीतेगा। हम दिल्लीवालों के विकास और तरक़्क़ी के लिए काम करते हैं, बीजेपी वाले दिल्ली को बर्बाद करने में लगे हैं, दिल्लीवालों को दुःखी करने में लगे रहते हैं। मारने वाले से राहत देने वाला बड़ा होता है।

अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

आज का कार्टून

फिल्म आर्टिकल 370 देखो, सही सूचना मिलेगी...!

ये मूवी ना केवल आर्टिकल 370 लगाने की वजह को एक मिनट के अजय देवगन के सूत्रधार वाले वॉयस ओवर से समझा देती है, बल्कि आर्टिकल 370 ना हटने के पीछे क्या क्या वजहें रही हैं, उनको भी कई दृश्यों और डायलॉग्स के जरिए आम दर्शकों को स्पष्ट कर देती है। साथ ही ये मूवी यह भी बताती है कि धारा 370 हटाने जैसा नामुमकिन सा लगने वाला काम कैसे संविधान की ही एक दूसरी धारा 367 के जरिए हटाना मुमकिन हुआ। फिल्म की कहानी है एक ऐसी लड़की जूनी हक्सर (यामी गौतम धर) की जो कश्मीर में आईडी (आईबी) ऑफिसर है और अपने सीनियर (राज अर्जुन) के रोकने पर भी आर्मी कैप्टन दोस्त की मदद से बुरहान वानी को मार गिराती है। दिल्ली ट्रांसफर होने के बाद उसे दूसरी महिला राजेश्वरी स्वामीनाथन (प्रियमणि) जो पीएमओ में संयुक्त सचिव है, फिर से कश्मीर भेजती है। इस बार एनआईए का कश्मीर का चीफ बनाकर। मोदी और अमित शाह के बजाय आपको लगेगा कि धारा 370 हटाने और इस दौरान कश्मीर में भी नेताओं, अलगाववादियों और आतंकियों व पत्थरबाजों पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी राजेश्वरी और जूनी के कंधों पर ही थी।

विष्णु शर्मा

हाल ही में प्रधानमंत्री ने एक मूवी को देखने की लोगों को सलाह दी, जो आज ही रिलीज हुई है। ये सलाह देने के लिए उन्होंने जगह भी सही चुनी थी। जम्मू कश्मीर में सभा थी और मूवी का नाम है आर्टिकल 370। मोदी ने कहा, मैंने सुना टीवी पर कि एक फिल्म आर्टिकल 370 पर आ रही है, अच्छा है, अब लोगों को सही सूचना मिलेगी। ऐसे में ये लगने लगा कि पूरी मीडिया, संसद की बहसें, सुप्रीम कोर्ट में इस केस की कार्यवाही और बीजेपी नेताओं के बयान आदि अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर पब्लिक को ऐसा क्या नहीं बता पाए जो ये मूवी बताएगी? लोगों में दिलचस्पी जागना स्वभाविक है।

इस मूवी के निर्माता आदित्य धर पर वाकई में बड़ी जिम्मेदारी थी। पत्नी यामी गौतम को उरी के बाद लगातार दूसरी बड़ी फिल्म में कामयाबी दिलानी थी और चूंकि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पीएम मोदी के दूसरी बड़े फैसले पर ये मूवी बनी थी, तो उनकी प्रतिक्रिया की भी चिंता थी। ये चिंता तब और बढ़ गई थी जब मोदी ने रिलीज से पहले ही ये बयान भी दे दिया। हालांकि इससे उनका फायदा ही होगा, क्योंकि पीएम किसी मूवी को देखने की सलाह अगर दे रहे हैं, तो समझिए कि हजारों टिकट तो ऐसे ही बिक जाएंगे।

फिल्म के प्रिव्यू के बाद पीएम मोदी के इस बयान का मतलब भी समझ आया। वाकई में इस मूवी की खूबसूरती थी कि जो बात संसद में, टीवी डिबेट्स में और सुप्रीम कोर्ट में चर्चा के बावजूद आम आदमी को उतना समझ नहीं आई, उसको आसानी से इस मूवी में समझा दिया गया है। कम समय में बड़े परदे पर टू द प्वॉइंट तरीके से बात समझ भी जल्दी आती है।

ये मूवी ना केवल आर्टिकल 370 लगाने की वजह को एक मिनट के अजय देवगन के सूत्रधार वाले वॉयस ओवर से समझा देती है, बल्कि आर्टिकल 370 ना हटने के पीछे क्या क्या वजहें रही हैं, उनको भी कई दृश्यों और डायलॉग्स के जरिए आम दर्शकों को स्पष्ट कर देती है। साथ ही ये मूवी यह भी बताती है कि धारा 370 हटाने जैसा नामुमकिन सा लगने वाला काम कैसे संविधान की ही एक दूसरी धारा 367 के जरिए हटाना मुमकिन हुआ।

फिल्म की कहानी है एक ऐसी लड़की जूनी हक्सर (यामी गौतम धर) की जो कश्मीर में आईडी (आईबी) ऑफिसर है और अपने सीनियर (राज अर्जुन) के रोकने पर भी आर्मी कैप्टन दोस्त की मदद से बुरहान वानी को मार गिराती है। दिल्ली ट्रांसफर होने के बाद उसे दूसरी महिला राजेश्वरी स्वामीनाथन (प्रियमणि) जो पीएमओ में संयुक्त सचिव है, फिर से कश्मीर भेजती है। इस बार एनआईए का कश्मीर का चीफ बनाकर।

मोदी और अमित शाह के बजाय आपको लगेगा कि धारा 370 हटाने और इस दौरान कश्मीर में भी नेताओं, अलगाववादियों और आतंकियों व पत्थरबाजों पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी राजेश्वरी और जूनी के कंधों पर ही थी। अनुच्छेद 370 हटाने के लिए जो कश्मीर की संविधान सभा की ताकत थी, 1957 में उस सभा के खत्म हो जाने के बाद उसका तोड़ ढूंढने की जिम्मेदारी इसी महिला अधिकारी पर

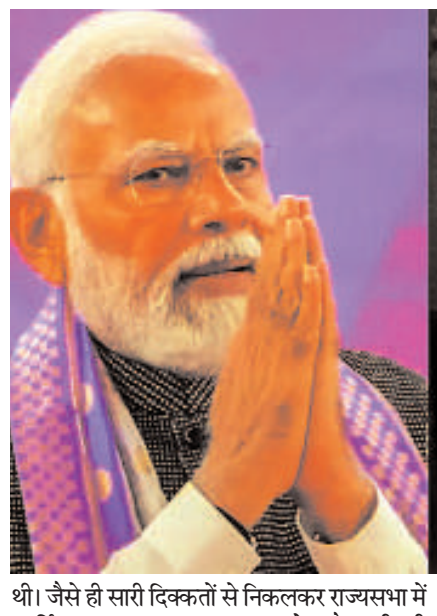

थी। जैसे ही सारी दिक्कतों से निकलकर राज्यसभा में आर्टिकल 370 पर प्रस्ताव पास होता है, मूवी की कहानी खत्म हो जाती है।

हालांकि मोदी की ये बात तो सही है कि मूवी से सही जानकारी मिलेगी। आर्टिकल 370 का तोड़ जिस तरह बिना 370 को छेड़े अनुच्छेद 367 में ढूंढा गया, आसान शब्दों में ये मूवी समझा देती है। कश्मीर की संविधान सभा के खत्म हो जाने के बाद उसकी ताकत विधानसभा को, और विधानसभा भंग रहने के दौरान गवर्नर को, फिर उसके जरिए राष्ट्रपति को मिल जाएगी। साथ ही 367 कैसे राष्ट्रपति को संविधान की व्याख्या की भी ताकत देती है। लेकिन मूवी के मुताबिक 95 फीसदी काम इन दोनों महिलाओं का था, इस फिल्म को देखने वाली ज्यादातर जनता ताउम्र ऐसा ही सोचेगी। ये इस मूवी का साइड इफैक्ट भी होगा।

हालांकि पीएम मोदी जो देश को बताना चाहते हैं वो भी इस मूवी के आसान सीन में बताया गया है कि कैसे हमारे अधिकारी बैक चैनल्स में फंसकर चलने दो एटीट्यूड में ही कश्मीर को लेकर काम कर रहे थे। कैसे टैररिज्म वहां के सैकड़ों लोगों के लिए बिजनेस बन गया था। कैसे बेरोजगारी से पत्थरबाजी हो रही थी। कैसे नेता अलगाववादियों और पाकिस्तान की मदद से काम कर रहे थे। कैसे युवा आतंकियों का इस्तेमाल हो रहा था। कैसे भारत विरोध के नाम पर लोग रोटियां सेक रहे थे।

कहानी में इमोशन जोड़ने के लिए जूनी हक्सर के ह्विसिल ब्लोअर पापा की हत्या जो आत्महत्या दिखा दी गई, को भी कहानी से जोड़ा गया है। पुलवामा हमले में उनके एक साथी की मौत को भी दिखाया गया है। लेकिन दूसरी महिला नायिका यानी पीएमओ में ज्वॉइंट सेक्रटरी राजेश्वरी स्वामीनाथ को इतना शक्तिशाली दिखाया गया है, मानो आर्टिकल 370 उन्हीं की मेहनत से हटा है और वही एनआईए आदि एजेंसियों को हैंडल करती हैं। एक वक्त में तो उन्हीं के जरिए कश्मीर में आर्मी मूवमेंट भी होता है।

यह भी हो सकता है नारी शक्ति को उभारने के लिए जानबूझकर पीएमओ के अधिकारी या एनएसए अजीत डोवाल के रोल को महिला के रोल में बदल दिया गया हो। खैर मूवी में एक तीसरी महिला एक टीवी रिपोर्टर भी दिखाई है, जो पीएमओ में भी बेरोकटोक घुस जाती है। कभी भी राजेश्वरी पर ताने मार देती है। लगता ही नहीं निर्देशक को वर्तमान पीएमओ या चैनल्स की कार्यशैली का कोई आइडिया रहा होगा, वो बरखा दत्त से ज्यादा प्रभावित लगता है।

पूरी मूवी में प्रधानमंत्री बने अरुण गोविल या अमित शाह बने किरण कर्माकर इंटरवल के बाद ही दिखते हैं। चूंकि अमित शाह ने ही राज्यसभा में दमदारी से आर्टिकल 370 को हटाने की बहस की थी, सो किरण कर्माकर को आखिर में स्क्रीन स्पेस ज्यादा मिल गया है। बाकी सभी कलाकारों में फारुख अब्दुल्ला का रोल करने वाले राज जुत्सी या महबूबा मुफ्ती के किरदार को जरूर बीच बीच में स्क्रीन स्पेस मिला है, नहीं तो यामी के बॉस राज अर्जुन और उसके सहयोगियों यश चौहान और वसीम को ही समय मिला है, बाकी मूवी तो यामी और प्रियमणि के इर्द गिर्द ही घूमती रही है।

ये भी बड़ी बात है कि बिना वजह निर्देशक ने राष्ट्रवाद का माहौल या पीएम का आभामंडल नहीं दिखाया है। शायद एक ही बार भारत माता की जय का सीन दिखाया गया है। अमित शाह का इमोशनल होकर ये कहना कि कश्मीर से हम इमोशनली जुड़े हैं और सारा का सारा कश्मीर हमारा है, जरुर असर करते हैं। पीएम मोदी का रुख भी एक डायलॉग संसद चले ना चले देश चल पड़ा है से दमदार लगता है। लेकिन ऐसे कई बयान वास्तविक जीवन से ही लिए गए हैं।

हालांकि एक मामूली आईबी अधिकारी यामी गौतम को ऐसे दिखाया गया है जैसे वहां न आर्मी कमांडर्स हैं, और ना ही उप राज्यपाल। वही अकेले अलगाववादियों को गिरफ्तार कर उलटा लटकाकर राज जान रही है, वही लाइब्रेरी से 370 हटाने का फॉर्मूला चुरा रही है, वही बुरहान वानी और जाकिर नाइक का एनकाउंटर कर रही है और वही कश्मीर में सुरक्षा बलों की तैनाती कर रही है। यह सब करते हुए डायरेक्ट पीएमओ में रिपोर्ट भी कर रही है। इसलिए धारा 370 को लेकर बनी इस मूवी को देखते वक्त ज्यादा दिमाग लगाने से भी बचना चाहिए। हो सकता है मूवी देखने के बाद पीएम भी अपनी राय बदल दें।

आखिर क्यों बच्चे से लेकर बड़े तक खो रहे आपा...

समय के पहिये थमते नहीं। कभी विश्राम नहीं करते। अपनी नियत गति से, निर्बाध, प्राकृतिक लय से चलते रहते हैं। मनुष्य का जीवन भी समय चक्र की घूर्णन गति के सापेक्ष विभिन्न पड़ावों को पार करते हुए अपने अंतिम पायदान पर पहुंच ही जाता है। बालपन की अबोध भंगिमा कब सयानी हो जाती है और कब उत्तरार्द्ध की बेला आ जाती है, पता ही नहीं चलता। जीवन का हर पड़ाव महत्त्वपूर्ण है और स्मृतियों का खजाना भी, जिसमें कुछ खट्टी तो कुछ मीठी यादों की गठरी सहेज कर रखी जाती है, जो बीते बचपन, छूटती युवावस्था और साथ चलती पके बालों की उम्र को भी साधने का काम करती है।

धर्मेंद्र जोशी

पांच दशक पहले गांव, कस्बे और छोटे शहरों का बचपन आज के बचपन से बिल्कुल अलहदा था, संयुक्त परिवारों की छांव में, सघनता से बुने हुए रिश्तों का एक अटूट बंधन बच्चों को जन्म से ही मिलता था, जिसके सुवासित वातावरण में उन्मुक्त बाल्यकाल गुजरता था। उसमें नानी-दादी की कहानियां धर्म और अध्यात्म से जुड़ाव एक दूसरे के प्रति समर्पण ममत्व की भावना और गहन गंभीर संस्कारों के चलते बाल्यावस्था का समग्र समय बहुत ही आसानी से गुजर जाता था।

इसके ठीक विपरीत आज बच्चों के बचपन को समय के पहले ही खत्म किया जा रहा है। भावुकता का स्थान यांत्रिकता ने ले लिया है। यही कारण है कि परिवार और रक्त संबंधियों के बीच भी भाव भरे रिश्तों का नितांत अभाव देखा जा रहा है। छोटी-छोटी बात पर आपसी संबधों में तुरंत कटुता पैदा हो जाती है।

मनमाफिक काम न होने पर बच्चे से लेकर बड़े तक आपा खो देते हैं। जैसे-जैसे भौतिक सुखों और सुविधाओं का लाभ लोगों को मिलने लगा है, उसी अनुपात में आत्महत्याओं की संख्या का ग्राफ भी बढ़ा है। बाहरी चकाचौंध तो खूब दिखाई दे रही है, मगर मन

के कोने में गहन अंधकार समाया हुआ है।वे दिन पता नहीं कहां गए, जब गांव में किसी के यहां शादी होती थी और खुशी सारा गांव मनाता था। पड़ोस में आए मेहमान के लिए सारी व्यवस्थाओं का भार पड़ोसी ही उठा लेते थे। जब बेटियां घर से विदा होती थीं, तो आसपास वाले की आंखें भी पनीली हो जाती थीं। आजकल जीवन तो आगे बढ़ रहा है, मगर जीवन मूल्यों में गिरावट का दौर लगातार जारी है। एक दूसरे का समय-समय पर सहयोग, दुख और सुख में खड़े रहने की भावना, रिश्तों को निभाने की प्रबल इच्छा और स्नेह की डोर भी अब टूटने लगी हैं, जिसका असर भावी पीढ़ी पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है।एक ऐसा भी समय भी रहा, जब सारे लोग मिलजुल कर हर छोटी-बड़ी समस्या का हल निकालने में एक दूसरे की मदद करते थे। बीमारी हो या कोई अचानक आ जाने वाली आपदा हो, कोई न कोई अवश्य खड़ा हुआ दिखाई देता था, लेकिन आजकल आदमी भीड़ से घिरा हुआ है, संपन्नता के सारे संसाधन मौजूद हैं, आधुनिकता का आकाश छूने को आतुर हैं, आभासी दुनिया में रात-दिन विचरण कर रहा है, मगर वास्तविकता में अत्यंत अकेला है। भावनात्मक और मानवीय गुणों से बहुत ही निर्धन हैं, इसलिए बहुत कम उम्र में ही बड़ी-बड़ी और जानलेवा बीमारियां सामने आने लगी हैं। जरा-सा तनाव सहन करने की भी सामर्थ्य नहीं है। सहनशीलता क्षीण हो चुकी है। जब से आर्थिक आधार को समाज में उच्चता का पैमाना बनाया गया है, तब से आपसी रिश्तों में एक प्रकार की तल्खी और नकारात्मक प्रतिद्वंदिता दिखाई देने लगी है। एक अंधी दौड़ शुरू हो चुकी है, जिसका कोई अंत नहीं है। इसका सबसे अधिक कुप्रभाव नजदीक के रिश्तों पर पड़ा है। यही कारण है कि आज पिता-पुत्र, भाई-भाई, चाचा-भतीजा के रिश्ते अत्यंत असहज और कुटिल अवधारणा से भरे हो गए हैं।

आज जब रिश्तों को कलंकित करने वाली खबरें आती हैं, तब दिल बैठ जाता है। जमीन-जायदाद के लिए की आसमान छूती कीमतों ने भाई को भाई का दुश्मन बना दिया है। कोई भी तनिक भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। वे दिन अब बस यादों में हैं, जब बड़े के कपड़े पहन कर छोटा भाई अपनी स्कूल-कालेज की पढ़ाई पूरी कर लेते थे। परिवार में अपने दायित्व के साथ साथ छोटे भाई बहन के लिए पिता का फर्ज भी पूरा करता था। वहीं छोटे भाई भी सारी उम्र बड़े भाई के सम्मान में कोई कमी नहीं आने देते थे। कभी रिश्तों का बंधन एक दूसरे का संबल हुआ करता था। बड़ी से बड़ी विपत्ति को भी मिलकर परास्त किया जा सकता था।

परिवार और समाज को इकट्ठा रहने और साथ में काम करने के लिए प्रेरित किए जाने का भाव भी अब दुर्बल होने लगा है। इसका असर चारों ओर दिखने लगा है। आज इस बात की भी आवश्यकता महसूस की जाने लगी है कि भारतीय जीवन मूल्यों को पुनर्स्थापित किया जाए, ताकि मनभेद की खाई को पाटा जा सके।

बदलाव का स्वरूप सर्वत्र दिखाई देने लगा है, चाहे वैचारिक स्तर हो, रहन-सहन का ढंग हो, खाने पीने की बात हो या फिर तीज-त्योहार, शादी के आयोजन हों। सकारात्मक बदलावों का स्वागत किया जाना चाहिए, वहीं नकारात्मक और आडंबरयुक्त बदलावों का विरोध किया जाना चाहिए। आज बेहद खर्चीली शादियां अस्तित्व में आ चुकी हैं. खुले रूप में मदिरापान फैशन बन चुका है।

वर्तमान में नैतिक मूल्यों का भी तीव्रता से क्षरण हुआ है, जो आए दिन की घटनाओं में देखा जा सकता है। संवेदना का मापांक शून्य पर है। आज किसी भी घटना का लोगों के दिलों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। एक अजीब खालीपन लोगों के मन में घर कर गया है, जिसका भरना अत्यंत आवश्यक है, ताकि स्नेह के रिश्तों का जुड़ाव कायम रहे।

संक्षिप्त समाचार

भोजन नहीं, कपड़े और मनोरंजन पर ज्यादा खर्च कर रहे भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में लोग भोजन पर कम और कपड़े व मनोरंजन इत्यादि पर ज्यादा पैसे खर्च कर रहे हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन से यह जानकारी मिली है। इसके मुताबिक, भारतीय परिवारों का घरेलू खर्च पिछले 10 वर्षों में दोगुना से ज्यादा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच किए गए सर्वेक्षण में शहरी क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय बढ़कर अनुमानित 6,459 रुपये हो गया, जो 2011-12 में 2,630 रुपये था। इसी अवधि में ग्रामीण भारत में यह 1,430 रुपये से बढ़कर अनुमानित 3,773 रुपये हो गया। भारतीय परिवार खाद्य पदार्थों पर प्रतिशत के रूप में कम खर्च कर रहे हैं, जबकि कपड़े, टेलीविजन सेट और मनोरंजन जैसी विवेकाधीन वस्तुओं पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिए घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और इसके वितरण का अलग-अलग अनुमान तैयार करना है।

पावर ग्रिड से स्किपर लिमिटेड को मिला 737 करोड़ रुपये का ठेका, शेयर खरीदने को मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर ग्रिड से 737 करोड़ रुपये का ठेका मिलने के बाद स्किपर लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की आज लूट मची है। सुबह मार्केट खुलते ही निवेशक इस पर टूट पड़े और देखते ही देखते यह 10 फीसद उछलकर 401 रुपये पर पहुंच गया। यह इसका 52 हफ्ते का हाई है। शेयर सुबह 385 के स्तर पर खुला।

स्किपर लिमिटेड ने रविवार को यह जानकारी दी कि उसे पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से 737 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी को यह ठेका अत्याधुनिक 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन के डिजाइन, सप्लाई और निर्माण के लिए मिला। इस खबर के बाद आज शुरुआती कारोबार में इसमें जबर्दस्त तेजी देखी गई। अगर स्किपर लिमिटेड के शेयर प्राइस हिस्ट्री की बात करें तो पिछले पांच दिन में इसने 13 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में ही यह शेयर करीब 60 फीसद उछल चुका है। जबकि, छह महीने में इसने करीब 84 फीसद की उड़ान भरी है। इस साल अबतक इसने 62 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का लो 85.24 रुपये है।

स्किपर लिमिटेड एक भारतीय ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन स्ट्रक्चर बनाने वाली कंपनी है। इसकी स्थापना 1981 में हुई थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। स्किपर लिमिटेड टावर्स, ईपीसी, मोनोपोल और पोल्स जैसे सब-सेगमेंट में उपस्थिति के साथ पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन और पॉलिमर पाइप,र फिटिंग सेगमेंट में काम करता है। पावर टीएंडडी संरचनाओं की विनिर्माण क्षमता के मामले में यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। यह दक्षिण अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और ऑस्ट्रेलिया में 40 से अधिक देशों को निर्यात करता है।

73.87 लाख पीएफ क्लेम में से 24.93 लाख खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से जुड़े सदस्यों को अपने पीएफ क्लेम को निपटाने में मुश्किलों का सामना कर पड़ा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2017-18 में ईपीएफ अंतिम दावों के करीब 13 फीसद मामले खारिज हुए थे, जो वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर लगभग 34 प्रतिशत हो गए है। यानी हर तीन ईपीएफ दावों में से एक दावा नामंजूर हो रहा है। क्लेम मिलने में देरी होने और भारी संख्या में दावे खारिज करने की काफी शिकायतें सोशल मीडिया पर आ रही हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 73.87 लाख पीएफ क्लेम आए थे, जिनमें से 24.93 लाख यानी 33.8 फीसदी खारिज हो गए। इस तरह तीन में से एक दावा रद्द हो गया। इसी अवधि में 46.66 लाख दावे निपटाए गए और सदस्यों को राशि जारी की गई। 18 लाख दावे शेष रह गए। यह आंकड़ा वर्ष 2017-18 और 2018-19 में खारिज किए गए दावों से काफी अधिक है। उस समय क्रमशः 13 फीसदी और 18.2 फीसदी दावे खारिज हुए थे। इसके बाद 2019-20 में दावा खारिज होने की दर बढ़कर 24.1 फीसदी पहुंच गई। वर्ष 2020-21 में यद दर 30.8 फीसदी और 2021-22 में 35.2 फीसदी पहुंच गई।

ईपीएफओ अधिकारियों का कहना है कि पीएफ दावे तेजी से अस्वीकार होने की बड़ी वजह ऑनलाइन प्रक्रिया है। पहले दस्तावेजों का सत्यापन नियोक्ता या कंपनी करती थी, इसके बाद कागजात ईपीएफओ के पास आते थे। लेकिन, अब पीएफ खाते आधार नंबर से ऑनलाइन जोड़े गए हैं। ऐसे में 99 फीसदी दावे ऑनलाइन पोर्टल के जरिए किए जा रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन में आवेदनकर्ताओं से कुछ गलतियां हो जाती हैं और उनका क्लेम खारिज हो जाता है।

क्या कहता है ईपीएफओ

ईपीएफओ के मुताबिक जब पीएफ का ऑफलाइन निपटारा होता था तो संस्थान की हेल्पडेस्क ऐसे मामलों को निपटाती थी, जिससे पीएफ दावा जल्दी खारिज नहीं होता था। अब पीएफ की रकम ऑनलाइन क्लेम हो रही है जिसमें कई खामियां आ रही हैं। कई बार तो पीएफ खाताधारक के नाम के अक्षर मेल नहीं खाते, तो कभी आधार कार्ड में अलग-अलग जानकारी होती है। इसकी जिसकी वजह से पीएफ के दावों के निपटारे में काफी दिक्कतें आ रही है।

क्लेम दाखिल करते समय बरतें ये सावधानी

1. गलत या अधूरी केवाईसी

अगर आपकी केवाईसी जानकारी अधूरी और वैध नहीं है तो पीएफ दावा खारिज हो सकता है। इससे बचने के लिए दावा दाखिल करने से पहले केवाईसी से संबंधित सभी दस्तावेजों को अपडेट कर लें।

2. यूएएन आधार से लिंक न होना

यदि आधार और यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) आपस में लिंक नहीं है तो पीएफ दावा खारिज हो जाएगा। ऐसे में आधार को सबसे पहले यूएएन से लिंक करें।

3.जानकारी में अंतर

जमा किए गए दावे के विवरण और ईपीएफओ रिकॉर्ड्स के बीच अंतर से भी दावा खारिज हो सकता है। इसलिए नाम, कंपनी में शामिल होने और छोड़ने की तारीख, बैंक खाते का ब्योरे के जरूरी ठीक कर लें।

4. बैंक खाता नंबर गलत होना

गलत बैंक खाता नंबर या आईएफएससी कोड देने से भी दावा खारिज हो जाएगा। रकम पाने के लिए खाता सक्रिय होना चाहिए और पीएफ खाते के साथ लिंक होना चाहिए।

5. गलत फॉर्म भर देना

कई बार आवेदक गलत फॉर्म भर देते हैं, इससे भी रकम नहीं मिलती। ध्यान दें कि फॉर्म 19 अंतिम निपटान के लिए है, फॉर्म 10सी पेंशन निकासी और फॉर्म 31 आंशिक निकासी के लिए है।

दावे निपटाने में लगते हैं 20 दिन

ईपीएफओ के मुताबिक अगर सही तरीके से सभी दस्तावेजों के साथ दावा दाखिल किया जाए तो पीएफ खाताधारक को 20 दिन के भीतर पैसा दे दिया जाता है।ईपीएफओ के पास 27.7 करोड़ खाते हैं और यह लगभग 20 लाख करोड़ के फंड का प्रबंधन करता है।

कभी खुद के पास नहीं था प्राइवेट टॉयलेट, आज बेच चुके हैं 15,000 फ्लैट

रिजवान साजन की जन्म और परवरिश मुंबई में हुई

- पिता ने निधन के बाद काम करने के लिए कुवैत गए
- उन्होंने 1993 में दुबई में डेन्यूब ग्रुप की स्थापना की

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजवान साजन की कहानी किसी परीकथा सरीखी लगती है। उन्होंने मुंबई की झुग्गियों से निकलकर दुबई में बड़ा मुकाम हासिल किया और आज एक सफल कारोबारी हैं। उनका डेन्यूब ग्रुप दुबई में कंस्ट्रक्शन मटीरियल, होम डेकोर और रियल एस्टेट डेवलपमेंट से जुड़ा कारोबारी समूह है। इसकी स्थापना रिजवान साजन ने 1993 में की थी। साल 2022 में इस ग्रुप का टर्नओवर दो अरब डॉलर रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साजन की नेटवर्थ करीब 18,000 करोड़ रुपये है और वह भारतीय मूल के टॉप 100 कारोबारियों में शामिल हैं। रिजवान जब महज 16 साल के थे तो उनके पिता का निधन हो गया। तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े रिजवान के कंधों पर छोटी उम्र में ही परिवार का बोझ पड़ गया था। परिवार का पेट पालने के लिए उन्होंने एक स्ट्रीट वेंडर के रूप में किताबें बेची और दूध बांटने का भी काम किया। आज उन्हें दुबई का वन परसेंट मैन कहा जाता है।

रिजवान साजन का जन्म मुंबई की एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था। उनका परिवार चॉल में रहा करता था। हालत यह थी कि उनके पास प्राइवेट टॉयलेट भी नहीं था। एक दिन उनके पिता को सब्सिडी पर सस्ता

घर खरीदने का मौका मिला। रिजवान कहते हैं कि उस दिन उन्हें पता चला कि घर क्या होता है। रिजवान ने गल्फ न्यूज के दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वे मुश्किल दिन थे। उनके पिता एक स्टील फैक्ट्री में सुपरवाइजर थे और उन्हें हर महीने सात हजार रुपये पगार मिलती थी। घर का खर्च चलाना और स्कूल की फीस देना मुश्किल होता था। लेकिन जब वह 16 साल के थे तो उनके पिता का निधन हो गया। परिवार की जिम्मेदारी उनके नाजुक कंधों पर आ गई। जिंदगी के शुरुआती दिनों में परिवार का पेट पालने के लिए उन्होंने एक स्ट्रीट वेंडर के रूप में किताबें और पटाखे बेचे।

वन परसेंट प्लान ने किया कमाल

इतना ही नहीं इनकम बढ़ाने के लिए वह दूध बांटने का भी काम करने लगे। साल 1981 में वह कुवैत अपने चाचा की कंस्ट्रक्शन मटीरियल की दुकान पर काम करने चले गए। वहां उन्होंने एक ट्रेनी सेल्समैन के रूप में काम किया। तब उन्हें करीब 18,000 रुपये मिलते थे। उन्होंने आठ साल तक कुवैत में काम किया और सेल्स मैनेजर बन गए। धीरे-धीरे साजन का काम बढ़ने लगा लेकिन 1991 में खाड़ी युद्ध ने सब खत्म कर दिया। उन्हें मुंबई लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुंबई लौटकर उन्होंने फिर से नौकरी खोजनी शुरू की। आखिर उन्हें दुबई में बिल्डिंग मटीरियल बिजनस में ब्रोकरेज का काम मिला। फिर एक दिन उन्होंने नौकरी छोड़कर अपना बिजनस करना शुरू किया। इस तरह साल 1993 में डेन्यूब ग्रुप का जन्म हुआ। यह वह समय था जब दुबई में कंस्ट्रक्शन का काम शुरू ही हुआ था। फिर क्या था उनका बिजनस चल निकला और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले डेढ़ दशक तक उन्हें अपने बिजनस को फैलाया। 2006 में उन्होंने सैनिटरी सॉल्यूशन ब्रांड मिलानो शुरू किया। फिर 2008 में होम फर्निशिंग के बिजनस में भी कदम रखा। चार साल बाद यानी 2012 में उन्होंने एल्यूमीनियम कंपोजिट पैनल्स बनाने का काम भी शुरू किया और 2014 में रियल एस्टेट में भी एंट्री मारी। उनका वन परसेंट प्लान काफी हिट रहा और वह अब तक 15,000 फ्लैट बना चुके हैं। रिजवान कहते हैं, यह बहुत आसान प्लान है। आप शुरुआत में थोड़ा बहुत पैसा देकर फ्लैट का पजेशन ले सकता है। बाकी अमाउंट आप हर महीने एक परसेंट चुका सकते हैं। हजारों लोगों ने इसे हाथोंहाथ लिया। साल 2022 में डेन्यूब ग्रुप का टर्नओवर दो अरब डॉलर था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साजन की नेटवर्थ करीब 18,000 करोड़ रुपये है।

दवा कंपनी अल्केम में 1,000 करोड़ रुपये का हेरफेर ! इनकम टैक्स की जांच में हुआ खुलासा, शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दवा बनाने वाली कंपनी अल्केम लैबोरेटरीज की मुश्किलें बढ़ गई है। इनकम टैक्स विभाग की जांच में कंपनी में बड़ी टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। इंडिया टुडे टीवी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। पिछले साल सितंबर में इनकम टैक्स विभाग में अल्केम लैबोरेटरीज के ऑफिस और परिसरों पर छापा मारा था। इसके बाद विभाग ने कई महीनों तक इस मामले की गहन जांच की। इस दौरान अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए और बैलेंस शीट को खंगाला गया। इसमें पता चला कि कंपनी ने बोगस क्लैम करके अरबों रुपये की टैक्स चोरी की। इससे कंपनी के शेयरों में आज भारी गिरावट देखने को मिल रही है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने बोगस क्लैम करके 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी की। जांच में यह भी सामने आया कि अल्केम लैब्स डॉक्टरों और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स को पैसा देकर उन्हें प्रिस्क्रिप्शन में अपनी दवा लिखने के लिए कहती थी। इस दौरान कंपनी ने डॉक्टरों को सैकड़ों करोड़ रुपये का भुगतान किया। सूत्रों के मुताबिक अल्केम लैब्स को भारी जुर्माना देना पड़ सकता है। इस बीच कंपनी के शेयरों में आज भारी गिरावट देखने को मिल रही है।

कंगाल करने के बाद अचानक मालामाल करने का लगा पेटीएम का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पेटीएम के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में सोमवार को 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक खबर के आने के बाद देखने को मिली है। पेटीएम ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से आग्रह किया है कि उन्हें यूपीआई पेमेंट्स के लिए थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के तौर काम करने दें। रिजर्व बैंक ने कहा है, एनपीसीआई को पेटीएम के रिक्वेस्ट पर विचार करने की सलाह रिजर्व बैंक की तरफ से दिया गया है। सेंट्रल बैंक ने कहा है कि नियमों के तहत यह विचार करें कि क्या पेटीएम यूपीआई के लिए थर्ड पार्टी एप की तरह काम कर सकता है या नहीं। बता दें, वन 97 कम्युनिकेशन के पास पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में कुल हिस्सेदारी 49 प्रतिशत की है।

अगर एनपीसीआई की तरफ से पेटीएम को यूपीआई पेमेंट्स के लिए अप्रवूल मिलता है तो यह उनके लिए बड़ी राहत भरी खबर होगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें किसी नए बैंक को ऐप के लिए चिन्हित करना होगा। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा है कि एनपीसीआई को बड़ी मात्रा में यूपीआई पेमेंट्स करने वाले 4 से 5 बैंकों की सुविधा पेटीएम को देना चाहिए। इस पूरे मसले पर एनपीसीआई के फैसले का इंतजार हो रहा है।

स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इन्दौर में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

इंदौर। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इन्दौर में दो रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर में 3 वर्षीय बी.एम. सी. इन हॉस्पिटैलिटी एण्ड होटल एडमिनिस्ट्रेशन डिग्री प्रोग्राम (ङ्खष्टा॥रू ष्ट्ञ नॉएडा द्वारा संचालित) तथा डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन, हाउस कीपिंग, बेकरी, एफ एण्ड बी सर्विस, फ्रंट ऑफिस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जायेगा। इसके लिए न्यूनतम पात्रता 12वीं पास है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी हेतु मोबाइल नं 9425066094/940680013 1-33/9039503035 पर संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए राऊ बायपास रोड़ स्थित संस्थान ष्ठ्रू के पास या वेबसाईट ढ्ढह्लह्लश्चह्य-//222.ह्यद्बद्धद्बद्बठुस्र.द्दश्च.द्द्य1.द्बठ्ठ/ पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर 50 हजार रुपये देनी होगी लेट फीस, नियुक्ति करने पर दिया जोर

इंदौर। कॉलेजों में शिक्षकों व प्राचार्यों की नियुक्ति को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने नियमों में संशोधन किया है। विश्वविद्यालय ने कालेजों को विज्ञापन निकालने के छह महीने के भीतर नियुक्ति करने पर जोर दिया है। ऐसा नहीं करने वाले कॉलेजों से विलम्ब शुल्क वसूला जाएगा। इस संबंध में प्रबंधन को 50 हजार रुपये जमा करवाना होंगे। यही नहीं चयन समिति के कार्यकाल की अवधि तीन महीने बढ़ाई जाएगी। हालांकि विश्वविद्यालय ने सत्र शुरू होने से पहले प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।निजी कालेजों में शिक्षकों की कमी बनी है। इसके चलते एनईपी वाले विद्यार्थी अपने इच्छानुसार वोकेशनल-इलेक्टिव और मेयर व माइनर विषयों का चयन नहीं कर पाते हैं। इन्हें वे विषय चुनना पड़ते हैं, जिसके शिक्षक कॉलेजों में मौजूद हैं। बीते दिनों उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों को प्रत्येक संकाय के शिक्षकों की नियुक्तियां करवाने को बोला है। मगर कॉलेजों में नियुक्ति को लेकर भारी गड़बड़ी देखने में आई है, क्योंकि प्रबंधन रिक्त पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन प्रकाशित करवाता है। साथ ही विश्वविद्यालय से चयन समिति गठित होती है।महीनों बीतने के बावजूद कालेज नियुक्तियां नहीं कर रहे हैं। लगातार विश्वविद्यालय को शिक्षकों की कमी के संबंध में शिकायत मिल रही है। मामले को पिछले महीने की कार्यपरिषद की बैठक में रखा गया था, जहां उन्होंने कॉलेजों को निर्देश दिए और कहा कि शिक्षक व प्राचार्य की नियुक्ति का विज्ञापन क्षेत्रीय समाचार पत्र में निकालना है। साथ ही विश्वविद्यालय को सूचित कर चयन समिति गठित करवानी होगी। इसके बाद छह महीने में प्राप्त आवेदनों के आधार पर उम्मीदवारों के साक्षात्कार करवाना होंगे। प्रक्रिया पूरी नहीं करने की स्थिति में कॉलेज से पचास हजार रुपये की लेट फीस वसूली जाएगी। यहां तक कि चयन समिति का सिर्फ तीन महीने का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। मामले में कॉलेजों को पत्र जारी कर विश्वविद्यालय ने निर्देश दिए हैं। रजिस्ट्रार अजय वर्मा का कहना है कि समयावधि में नियुक्तियां नहीं होने पर चयन समिति स्वतः निरस्त हो जाएगी। उसके बाद कॉलेजों को दोबारा आवेदन करना होगा।

दो दिन में होगी 6 हजार कापी ही चेक, 4 मार्च के बाद बढ़ेंगे मूल्यांकनकर्ता

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के साथ ही कॉपियों का मूल्यांकन कार्य भी शुरू हो चुका है। पहले चरण में 90 हजार कॉपियां जांची जाना है। मूल्यांकन के लिए जिले से 800 से अधिक शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्यकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया था। लेकिन 10 फीसदी मूल्यांकनकर्ता भी कॉपी जांचने के लिए नहीं पहुंच रहे है। नतीजा यह निकला कि 22 फरवरी को शुरू हुए मूल्यांकन में अब तक सिर्फ 6 हजार कॉपियां ही चेक हो पाई है। मालव कन्या उमावि को जिला मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। मूल्यांकन के लिए करीब 800 शिक्षकों को मूल्यांकनकर्ता बनाया गया है। लेकिन मूल्यांकन के लिए पहले दिन 60 मूल्यांकनकर्ता ही कॉपियां जांच करने के लिए पहुंचे। दूसरे दिन भी मूल्यांकनकर्ताओं में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। जिस हिसाब से कापियां जांची जा रही है, उससे मूल्यांकन कार्य देरी से पूरा होगा। मूल्यांकन प्रभारी बबीता हायरण ने बताया कि विषयवार कॉपियां चेक की जा रही है।पहले दिन कापियों की संख्या काफी कम थी, इसलिए 60 मूल्यांकनकर्ताओं को ही बुलाया गया था। अन्य विषयों की कॉपियों के बंडल खुलते ही मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ा दी जाएगी। जो मूल्यांकनकर्ता जानबूझकर नहीं आ रहे है, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। मूल्यांकन के दौरान मूल्याकंनकर्ताओं के मोबाइल अलग रखवा लिए जाते है। हर एक कक्ष की सतत निगरानी की जा रही है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मी भी तैनात है। अफसरों के अनुसार जब तक बोर्ड परीक्षाएं चलेगी, तब तक दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक मूल्यांकन होगा। परीक्षा खत्म होने पर सुबह 10 से शाम 6 बजे तक मूल्यांकन कार्य होगा। हर एक मूल्यांकनकर्ता को प्रतिदिन अधिकतम 45 कापियां जांचना होगी। मूल्यांकन कर्ताओं को कॉपी जांचने के बदले में 10वीं की प्रति कॉपी के लिए 15 रुपए और 12वीं में 16 रुपये मिलेंगे।

RBI lifting curbs on fore& non-deliverable forward arbitrage by banks

India's central bank is easing restrictions on banks' arbitrage trades between the outright foreign e&change over-the-counter (OTC) and the non-deliverable forward (NDF) markets, four people familiar with the matter said.

The Reserve Bank of India (RBI) has allowed banks, that have made requests, to resume such trades, a person directly familiar with the central bank's thinking said. "There have been banks who have called and asked whether they can start doing it," and the central bank has approved, this person said.

At least two public-sector banks and a private-sector lender have been allowed to recommence arbitrage trades, according to three bankers. Arbitrage trades allow investors to benefit from the price differences of securities in different markets but can e&aggerate price trends.

The RBI had imposed an informal ban on dollar/rupee arbitrage trades in August w®wx, when it was intervening to prevent the rupee from slipping to a record low, while banks were taking advantage of price differences between the OTC and NDF markets.

Banks' arbitrage positions "had ballooned" and were "running into double-digit billions of dollars", which the RBI "was not happy with", the person directly familiar with the central bank's thinking said. Now, the RBI wants to avoid a repeat and is asking banks to do arbitrage in a way that "shouldn't adversely impact the currency", he said. "We had sought permission from RBI last week and they said you can go ahead," the chief manager at a mid-sized public sector bank said on Monday. The bank had not yet started building its FX arbitrage book. All the persons declined to be named since they are not authorised to speak to the media.

The RBI did not immediately respond to an email seeking comment.

The lifting of the NDF arbitrage restrictions comes at a time when the Indian rupee is enjoying a period of tranquillity.

The currency's x®-day realized volatility has been below w% since October and volatility e&pectations are lower than Asian peers. The low volatility has meant that the rupee's OTC and NDF rates diverge rarely and not by much, leading to fewer arbitrage opportunities.

The RBI has permitted arbitrage trades, "but in a limited way and slowly," a trader at the second public sector bank said. "Currently, there is little to no arbitrage, so activity on our end has been slow."

बदलते तापमान में ऐसे करें अपने पौधों की देखभाल

बदलते तापमान में पौधों की देखभाल करना बहुत जरूरी है ताकि वे स्वस्थ रहें और अच्छी तरह से विकसित होते रहें। यहां कुछ गार्डनिंग टिप्स हैं जो आपको बदलते मौसम के साथ-साथ अपने पौधों की देखभाल में मदद कर सकते हैं। ठंड के जाते-जाते बारिश या मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा में हल्की से तेज बारिश हो सकती है।

पानी की देखभाल

तापमान बढ़ने पर पौधों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। ध्यान दें, कि पौधे सूखने से बचें। समय-समय पर पानी दें, लेकिन पौधों को पानी की भरमार न दें। सुबह या शाम को पानी देना सबसे अच्छा होता है। बारिश के मौसम में पानी देने की कम होती है। सर्दी के मौसम में पौधे हाइबरनेशन मोड में रहते हैं, जिससे पानी की भी जरूरत कम होती है।

मिट्टी की देखभाल

मिट्टी की नमी को बनाए रखें और अगर जरूरत हो, तो मिट्टी में कंपोस्ट या उर्वरक मिलाएं। यह पौधों की ग्रोथ के लिए खास होती है। तापमान बढ़ने पर पौधों को ज्यादा खाद की जरूरत हो सकती है। खाद देने से पहले मिट्टी को अच्छी तरह से गीला कर लें। वहीं, सर्दियों में खाद देने की जरूरत कम होती है।

रोपण और छाया

ध्यान दें कि गर्मियों में पौधों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें धूप से बचाएं। तेज धूप से पौधों की पत्तियां जल सकती हैं। छाया देने वाले पेड़ों या छत के नीचे रखे जा सकते हैं। वहीं, सर्दियों में पौधों को ज्यादा धूप की जरूरत होती है, जिससे हल्की धूप पाकर भी पौधे फिर से खिल उठ जाते हैं।

पौधों की कटाई

आपके पौधों को स्वस्थ और आकर्षक बनाए रखने के लिए नियमित तौर पर उन्हें काटने और संभालने की जरूरत होती है। मृत, सूखी या रोगग्रस्त पत्तियों और शाखाओं को पौधे से निकाल दें। पौधों को अच्छी तरह से हवादार बनाए रखने के लिए छंटाई करनी चाहिए। छंटाई के लिए तेज और साफ कैंची की जरूरत पड़ सकती है।

रोग और कीट प्रबंधन

पौधों को किसी भी रोग या कीटों से बचाए रखने के लिए नियमित तौर से उन्हें जांचते रहें और आवश्यकता हो तो उपचार करें। इसमें नीम के तेल का छिड़काव कर सकते हैं। रोग और कीटों से बचाव के लिए जैविक तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। अगर ज्यादा जरूरी हो, तो रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ह्यूमिडिफायर से मिल सकती है मदद

गर्मी के दौरान हवा में सूखापन होने की संभावनाएं ज्यादा होती है, इसका प्रभाव पौधों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में आप ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे हवा में नमी बरकरार रहती है और पौधों की पत्तियां भी खराब नहीं होती हैं। पौधों को उनकी पोषण की जरूरत होती है। इसलिए, नियमित तौर पर उर्वरक या खाद देना उन्हें स्वस्थ और विकसित बना रहेगा।

जानिए क्या है रिस्क टॉलरेंस, ताकि आप सही तरह से कर सकें इनवेस्ट

अमूमन लोग बेहतर रिटर्न के लिए इनवेस्ट करते समय बहुत अधिक रिस्क ले लेते हैं। लेकिन भी स्कीम या फंड में निवेश करने से पहले आपको रिस्क टॉलरेंस के बारे में समझ लेना चाहिए।

आज के समय में हर व्यक्ति कम से कम समय में अधिक से अधिक पैसा कमाना चाहता है और इसलिए वह तरह-तरह की इनवेस्टमेंट करता है। हालांकि, हर तरह की इनवेस्टमेंट में कुछ हद तक रिस्क जरूर होता है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह किस हद तक रिस्क ले सकता है। रिस्क टॉलरेंस वास्तव में व्यक्ति की समय के साथ उनके इनवेस्टमेंट पोर्टफोलियो की वैल्यू में उतार-चढ़ाव का सामना करने की क्षमता और इच्छा से है। इसके बारे में अच्छी तरह समझना बेहद जरूरी होता है।

जब आप यह समझ जाते हैं तो आपको नुकसान होने की संभावना काफी कम हो जाती है। साथ ही साथ, अगर इनवेस्टमेंट पोर्टफोलियो में कोई उतार-चढ़ाव आता भी है तो भी आपको फाइनेंशियली परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है।

रिस्क टॉलरेंस क्या है?

रिस्क टॉरलेंस का अर्थ किसी भी इनवेस्टमेंट के संभावित रिटर्न की अनिश्चितता से है। इसमें बाजार की अस्थिरता, आर्थिक स्थिति या फिर अन्य कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। इसलिए, जब भी इनवेस्ट किया जाता है, तो व्यक्ति को उस पोर्टफोलियो के रिस्क व अपने रिस्क टॉलरेंस को एक बार जरूर चेक करना चाहिए। जब आप अपने रिस्क टॉलरेंस को समझ जाते हैं तो आपको नुकसान होने की संभावना काफी कम हो जाती है। इतना ही नहीं, कोई नुकसान होने पर आपको आर्थिक अनिश्चितताओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

रिस्क टॉलरेंस का ऐसे करें आकलन

अगर आप अपने रिस्क टॉलरेंस का आकलन करना चाहते हैं तो ऐसे में कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की मदद ले सकते हैं। ये आपको आपकी फाइनेंशियल सिचुएशन, इनवेस्टमेंट गोल्स व पर्सनल प्रेफरेंस के आधार पर रिस्क टॉलरेंस का आकलन करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो किसी फाइनेंशियल एडवाइजर या इनवेस्टमेंट प्रोफेशनल से भी कंसल्ट कर सकते हैं। वे आपकी स्थिति के आधार पर आपको रिस्क टॉलरेंस के बारे में बताते हैं। साथ ही साथ, वे आपको सही तरह से इनवेस्ट करने के लिए स्ट्रैटेजी बनाने में भी मदद करते हैं।

रिस्क टॉलरेंस और इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी

एक बार जब आप इनवेस्टमेंट के लिए रिस्क टॉलरेंसको समझ जाते हैं तो इसके बाद आपके लिए अपनी इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी बनाना अधिक आसान हो जाता है। मसलन, अगर आपकी रिस्क टॉलरेंस कम है तो ऐसे में आप लो रिस्क एसेट्स जैसे सरकारी बांड, हाई क्वालिटी कॉर्पोरेट बांड या फिर स्टेबल भुगतान वाले स्टॉक में इनवेस्ट कर सकते हैं।

वहीं, अगर आपका रिस्क टॉलरेंस मॉडरेट है तो आप स्टॉक से लेकर बॉन्ड तक में इनवेस्ट करके अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई कर सकते हैं। इसी तरह हाई रिस्क टॉलरेंस होने पर आप अपने पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ग्रोथ स्टॉक्स, उभरते बाजारों आदि में लगा सकते हैं। इनसे कम समय में बहुत अच्छे रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

रखें इसका ध्यान

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति का रिस्क टॉलरेंस समय के साथ बदलता रहता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि समय के साथ व्यक्ति की फाइनेंशियल स्थिति, इनवेस्टमेंट गोल्स और पर्सनल प्रेफरेंस भी बदलती है। इसलिए व्यक्ति को समय-समय पर अपने रिस्क टॉलरेंस को रिव्यू करते रहना चाहिए और उसी के अनुसार अपनी इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी बनानी चाहिए।

होम डेकोर के लिए पुरानी मैगजीन का ऐसे करें इस्तेमाल

हमारे घर में कई सारे सामान ऐसे होते हैं जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है। इसके बाद वो सारा सामान कबाड़ में चला जाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे आप रीयूज भी कर सकती हैं। अगर आपके घर में पुरानी मैगजीन रखी है तो इसे फेंके नहीं बल्कि इसका इस्तेमाल घर के डेकोर आइटम को बनाने में करें। इससे आप अपने पसंद की चीजें बना सकती हैं, जिसके लिए बस आपको कुछ चीजों की जरूरत होगी। उसकी मदद से आपक अलग-अलग तरह की चीजें बनाकर अपने घर को और सुंदर बना सकती हैं।

वॉल डेकोर आइटम करें तैयार

अगर आपको अपने घर की दीवारों को अलग तरीके से डेकोरेट करना है तो इसके लिए आप मैगजीन का इस्तेमाल करके वॉल डेकोर आइटम बना सकती हैं। इससे वॉल हेंगिंग बन सकता है वरना वॉल डेकोर करने के लिए अलग-अलग डिजाइन बन सकता है। इसके लिए बस आपको मैगजीन, ग्लू, पेंट और छोटे-बड़े मिरर चाहिए होंगे।

ऐसे बनाएं वॉल डेकोर

- इसे बनाने के लिए सबसे पहले कई सारी मैगजीन को इकट्ठा करें।
- अब इनके पेपर को फोल्डर से अलग करें।
- इसके बाद उन्हें लंबा-लंबा रोल करना शुरू करें।
- फिर इन्हें स्क्वेयर शेप में फोल्ड करें।
- अब इन्हें ग्लू की मदद से पेस्ट करें और पूरा स्क्वायर बंच तैयार करें।
- इसमें आप एक बड़ा और फिर सारे थोड़े-थोड़े छोटे बनाएं।
- अब इस पूरे डेकोर आइटम को पेंट करें और इसमें मिरर लगाएं।
- इसके बाद इनमें डोरी डालकर इन्हें एकसाथ जोड़े।
- आप चाहे तो इनमें मोती भी डाल सकती हैं।
- इसके बाद गांठ बांधे।
- इस तरीके से आपका वॉल डेकोर रेडी हो जाएगा।

फोटो फ्रेम करें तैयार

अगर आपको घर पर फोटो लगाने का शौक है तो इसके लिए आप घर पर ही रखी पुरानी मैगजीन का इस्तेमाल करके फोटो फ्रेम तैयार कर सकती हैं। इसे बनाने में आपको पैसा भी कम खर्च करना पड़ेगा। इसी के साथ आप अपनी पसंद का फ्रेम रेडी कर पाएंगी।

ऐसे बनाएं फोटो फ्रेम

- इसके लिए पहले आपको एक लड़की का फ्रेम चाहिए होगा।
- फिर मैगजीन के पेपर के छोटे-छोटे टुकड़े करने होंगे।
- अब एक कटोरी लें इसमें थोड़ा सा पानी और ग्लू एड करें।
- इसके बाद इस फ्रेम के कवर को मैगजीन के पेपर पर ग्लू लगाकर सेट करें और कुछ देर के लिए सूखने के लिए रख दें।
- अब आप पेंट का इस्तेमाल करे और इसमें अपनी पसंद का कलर लगाएं।
- फिर इसे सूखने के लिए रख दें।
- अब आप चाहे तो इसमें मिरर लगा सकती हैं वरना ग्लू लगाकर थ्रेड को भी इसपर सेट कर सकती हैं।
- इस तरीके से आपका फोटो फ्रेम रेडी हो जाएगा
- इसे बनाने के बाद आपको भी ऐसा लगेगा कि शायद ही बाहर से ऐसा कुछ आइटम मिले।
- इस तरीके से आप पुरानी मैगजीन का इस्तेमाल करके होम डेकोर आइटम बना सकती हैं और घर को सुंदर दिखा सकती हैं।

प्रेशर के बिना बच्चे को ऐसे पढ़ाई करने के लिए करें तैयार

छोटे बच्चे पढ़ाई के समय काफी परेशान करते हैं। उन्हें पढ़ाई करने में रुची नहीं होती है। ऐसे में बच्चों को बचपन से ही पढ़ाई की आदत लगा देनी चाहिए। ऐसे में आपके बच्चे बचपन से ही एकेडमिक्स में अच्छे नंबर लेकर आएंगे। बच्चों को गुस्से में आकर कई बार हम डाट देते हैं। हालांकि डाटने से बच्चे जिद्दी हो जाते हैं, इससे उनका मन पढ़ाई करने का नहीं होता है।

अगर आप चाहती है कि आपके बच्चे पढ़ाई में अपना मन लगाकर रखें तो उनके पढ़ाई का समय फीक्स कर दें। पढ़ाई करवाने के लिए आपको कुछ एक्टिवीटी की सहायता लेनी चाहिए। ऐसे में उनका मन खुद भी पढ़ाई करने का होगा। कोशिश करें की उन्हें बचपन से ही डेली 2 घंटे पढ़ाई करवाएं। ताकि बड़े होते-होते उन्हें बोलना ना हो वह खुद से पढ़ाई करने में लग जाएं।

स्टडी गोल बनाने को कहें

आपको उन्हें अपनी पढ़ाई को लेकर खुद से गोल तैयार करने को कहना चाहिए। उन्हें बताना चाहिए की पढ़ाई का हमारे समाज्य में कितना महत्व है। ऐसे में उनके लिए पढ़ाई करना कितना ज्यादा जरूरी हैं। ऐसे में उनका भी मन पढ़ाई करने को करेगा।

याद करने से ज्यादा समझने को कहे

अपने छोटे बच्चे को याद करने से ज्यादा समझने को कहे। ऐसा इसलिए क्योंकि याद की हुई चीजें कई बार हम भूल जाते हैं। अगर आपका बच्चा ज्यादा याद करने पर फोक्स करता है तो आपको उसे सझकर पढ़ने को कहना चाहिए। उन्हें पढ़ाई के समय ध्यान केवल पढ़ाई पर लगाने को कहे। ऐसा करने से वह जल्दी चीजों को समझ जाएगे।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड

भारत ने बैजबॉल को चटाई धूल

इंग्लैंड 2 साल बाद हारा टेस्ट सीरीज

रांची, एजेंसी। भारत ने सोमवार, 26 फरवरी को रांची टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-1 से अजेय बढ़त बना ली। बैजबॉल युग यानी बेन स्टोक्स के कप्तान और ब्रेंडन मैकुलम के कोच बनने के बाद इंग्लैंड की टीम पहली बार टेस्ट सीरीज हारी है। पिछले 2 साल से इंग्लैंड की टीम कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी थी। टीम 6 में से 4 सीरीज वह जीती थी। 7वीं सीरीज में उसे हार का सामना करना पड़ा।

मार्च 2022 में वेस्टइंडीज दौरे पर इंग्लैंड की टीम 3 मैचों की सीरीज 1-0 से हारी थी। इसके बाद जो रूट कप्तानी से हटे थे। बेन स्टोक्स को कप्तान बनाया गया था। ब्रेंडन मैकुलम कोच बने थे। इसके बाद बैजबॉल युग की शुरुआत हुई। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, पाकिस्तान और आयरलैंड को सीरीज में हराया। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज ड्रॉ कराया, लेकिन भारत से पार नहीं पा सका।

भारत के लिए आसान नहीं थी चुनौती

रांची टेस्ट से पहले भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे थी। हैदराबाद में पहला टेस्ट हारने के बाद उसने शानदार वापसी की। विशाखापत्तनम और राजकोट टेस्ट में जीत हासिल की। इसके बाद रांची टेस्ट के साथ-साथ सीरीज अपने नाम किया। भारत टीम भले ही घरेलू सरजमीं पर यह टेस्ट सीरीज खेल रही थी, लेकिन उसके लिए चुनौती आसान नहीं थी।

यशस्वी, सरफराज और जुरेल जैसे युवाओं का उदय

विराट कोहली जैसा दिग्गज खिलाड़ी सीरीज में नहीं खेला। केएल राहुल पहले टेस्ट के बाद चोट के कारण नहीं खेले। चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी पहले ही बाहर हैं। इसके बाद भी भारतीय टीम ने घुटने नहीं टेके। इस सीरीज को यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे युवा खिलाड़ियों की वजह से याद किया जाएगा। तीनों खिलाड़ियों ने छाप छोड़ी है।

रांची टेस्ट के तीसरे दिन मोमेंटम हुआ शिफ्ट

रांची टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने जो रूट के शतक की मदद से 353 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 307 रन बनाए। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। इंग्लैंड की टीम के पास पहले 2 दिन बढ़त थी। तीसरे दिन भारत ने पकड़ बनाई और कुछ ही समय में मैच उसकी ओर खिसक गया। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 145 रन पर सिमट गई। इसके बाद वापसी नहीं कर पाई। सीरीज का 5वां टेस्ट मैच धर्मशाला में 7 मार्च से खेला जाएगा।

ब्रेक पर जाने के बाद विराट ने पहली बार क्रिकेट पर किया ट्वीट

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की जीत को शानदार बताते हुए 'युवा ' टीम के धैर्य, दृढता और लचीलेपन की तारीफ की। भारत ने रांची में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 3-1 की विजयी बढत बना ली। विराट समेत कई प्रमुख खिलाड़ी अन्य-अन्य वजहों से टीम का हिस्सा नहीं हैं। इसके बाद भी भारत ने अंग्रेजों को धूल चटा दी। टेस्ट सीरीज से निजी कारणों से बाहर होने के बाद क्रिकेट पर अपने पहले ट्वीट में कोहली ने कहा, 'यस, हमारी युवा टीम की शानदार जीत। धैर्य, दृढता और लचीलापन दिखाया।

शुभमन गिल की पारी देख फिदा हुई इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर, इंस्टाग्राम पोस्ट पर किया खास कमेंट

रांची, एजेंसी। भारतीय टीम ने सोमवार को इंग्लैंड को रांची टेस्ट में मात देकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। रांची टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड ने मैच में वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने संयम भरी खेली। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ अहम साझेदारी करते हुए टीम की जीत तय की। गिल ने दूसरी पारी में 52 रन बनाए। गिल को इस पारी के लिए हर ओर से तारीफें मिल रही है। तारीफ करने वालों में इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर भी शामिल हैं।

डैनियाल व्याट ने किया कमेंट

गिल ने मैच खत्म होने के बाद इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में राहुल द्रविड़ की कही बात लिखी। उन्होंने लिखा, 'तुम नहीं तो कौन, अब नहीं तो कब'। इस पोस्ट पर कई सेलिब्रिटी ने रिएक्शन दिए। इसमें इंग्लैंड की बल्लेबाज डैनियाल व्याट का कमेंट भी शामिल हैं। व्याट ने लिखा, 'शानदार बैटिंग।' इस कमेंट को 350 से भी ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

पीएसएल

लगातार 5वां मैच हारी शाहीन अफरीदी की टीम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पेशावर जाल्मी ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2024 में 25 फरवरी की रात एक रोमांचक मुकाबले में लाहौर कलंदर्स को 8 रन से हरा दिया। पीएसएल 2024 का यह 12वां मुकाबला था। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सैम अयूब, बाबर आजम और रोवमैन पॉवेल की पारियां लाहौर कलंदर्स के रॉसी वैन डेर डुसेन के तूफानी शतक पर भारी पड़ीं।

रॉसी वैन डेर डुसेन ने 7 चौके और 6 छक्के की मदद से 50 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। वह 52 गेंद में 104 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने के कारण उनके शतक पर पानी फिर गया।

पेशावर जाल्मी ने दर्ज की दूसरी जीत

लाहौर कलंदर्स की टूर्नामेंट में यह लगातार पांचवीं हार है। उसने अब तक एक भी मैच नहीं जीता है। लाहौर कलंदर्स सबसे निचले (छठे) पायदान पर है। पेशावर जाल्मी ने 4 में से 2 में जीत हासिल की है, जबकि 2 में हार झेली है। उसके 4 अंक हैं और वह चौथे नंबर पर है। इससे पहले शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई वाली लाहौर कलंदर्स ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बैटिंग करने उतरी पेशावर जाल्मी की शुरुआत शानदार रही। ओपनर सैम अयूब और कप्तान बाबर आजम ने पहले विकेट के लिए 14.2 ओवर में 136 रन की साझेदारी की।

बाबर आजम 5 चौके की मदद से 36 गेंद में 48 रन बनाकर आउट हुए। सैम अयूब ने इसके बाद रोवमैन पॉवेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 2.5 ओवर में 39 रन की साझेदारी की। सैम अयूब 8 चौके और 4 छक्के की मदद से 55 गेंद में 88 रन बनाकर आउट हुए।

रोवमैन पॉवेल ने 230 के स्ट्राइक रेट से ठोके रन

रोवमैन पॉवेल 5 चौके और 2 छक्के की मदद से 20 गेंद में 46 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लाहौर कलंदर्स की ओर से शाहीन अफरीदी ने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लाहौर कलंदर्स की शुरुआत खराब रही।

खराब रही लाहौर कलंदर्स की शुरुआत

उसने 4.4 ओवर में 38 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रॉसी वैन डेर डुसेन ने शाई होप के साथ मिलकर 7.5 ओवर में 71 रन की साझेदारी की। शाई होप 23 गेंद में 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

डुसेन ने इसके बाद अहसान भट्टी और जहांदाद खान के साथ चौथे और पांचवें विकेट के लिए क्रमशः 55 और 32 रन की साझेदारी की। लाहौर कलंदर्स को आखिरी 7 गेंद में 20 रन बनाने थे।

जीत के साथ विश्वनाथन आनंद की विश्व टॉप 10 शतरंज खिलाड़ियों में वापसी

हेमबर्ग , जर्मनी, एजेंसी। भारत के महानतम शतरंज खिलाड़ी और पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नें 54 वर्ष की उम्र में एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय शतरंज में जोरदार वापसी की है।

आनंद नें छह माह बाद कल क्लासिकल मुक़ाबला खेला , आनंद नें जर्मन शतरंज लीग , बुंदसलीगा में ओएसजी बडेन बडेन से खेलते हुए एससी ओटिघ्हेम से खेल रहे अजरबैजान के निजत अबासोव को पराजित किया , आनंद की यह जीत इसीलिए भी मायने रखती है क्यूंकी वह करीब छह माह से क्लासिकल शतरंज नहीं खेल रहे है जबकि अबासोव फीडे कैंडिडैट में जगह बनाने वाले दुनिया के 8 खिलाड़ियों में से एक है।

अशोक गहलोत के बेटे ने छोड़ा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष पद

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने सोमवार को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें निशाना बनाकर आरसीए में 'अविश्वास का माहौल' बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वैभव गहलोत ने अपने त्यागपत्र में लिखा कि राजस्थान में सरकार बदलने के बाद आरसीए के खिलाफ 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' से काम किया जा रहा है।

अविश्वास का माहौल बनाने की कोशिश-वैभव गहलोत

उन्होंने कहा, 'अब मुझे निशाना बनाकर आरसीए में अविश्वास का माहौल बनाने की कोशिश शुरू कर दी गई है। इससे राज्य में क्रिकेट का सकारात्मक माहौल खराब होने की आशंका है। ऐसे में यह मेरे लिए असहनीय है कि राज्य में आईपीएल मैचों पर कोई संकट आए या क्रिकेट को नुकसान हो, इसलिए राज्य के क्रिकेट और क्रिकेट खिलाड़ियों को इस स्थिति से बचाने के लिए मैं स्वेच्छा से आरसीए के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं। यह घटनाक्रम राजस्थान खेल परिषद द्वारा सवाई मान सिंह स्टेडियम, जिसमें आरसीए कार्यालय है, पर कब्जा करने की पृष्ठभूमि में आया है। इसमें आरसीए पर बकाया भुगतान सहित अपनी देनदारियों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया गया है।

मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को 5 विकेट से हराया

महिला प्रीमियर लीग 2024

बेंगलुरु, एजेंसी। यहां के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 के दूसरे गेम में अमेलिया केर (4-17 और 31) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और मध्यम गति की गेंदबाज शबनीम इस्माइल (3-18) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मुंबई इंडियंस महिलाओं ने गुजरात जाइंट्स महिलाओं को 11 गेंद रहते पांच विकेट से हरा दिया। पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला करते हुए मुंबई इंडियंस को पहले ओवर में ही सफलता मिल गई, क्योंकि शबनीम इस्माइल ने शुरुआती ओवर की चौथी गेंद पर अनुभवी वेदा कृष्णमूर्ति को शून्य पर फंसा दिया। गुजरात जायंट्स नियमित अंतराल पर विकेट खोता रहा और अपने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 126/9 ही बना सका। गुजरात के लिए तनुजा कंवर (28), कैथरीन ब्राइस (नाबाद 25) और कप्तान बेथ मूनी (24) मुख्य स्कोरर रहे। केर ने ऑफ-स्टंप के बाहर एक गाजर के साथ एशले गार्डनर को 19 रन पर आउट कर दिया।

इवेंट में अपना दूसरा मैच जीतने के लिए 127 रनों का पीछा करते हुए गत चैंपियन मुंबई इंडियंस, जिसने शुरुआती रात में दिल्ली कैपिटल के खिलाफ रोमांचक जीत के साथ की शुरुआत की, कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 46 और केर के 25 गेंदों में 31 रनों की पारी खेली। स्कोर 8.1 ओवर में 129/5 पर पहुंच गया। यह मुंबई इंडियंस पर एक आरामदायक जीत थी, हालांकि उन्हें शुरुआत में कुछ चिंताजनक क्षणों का सामना करना पड़ा और सलामी बल्लेबाजों यास्तिका भाटिया और हेले मैथ्यूज को सात विकेट पर गंवाकर 21/2 पर खिसक गए।

आठवें ओवर में स्कोर 49/3 था जब नेट साइवर-ब्रंट (22) एक बहुत ही कड़े सिंगल के चक्कर में रन आउट हो गए। हरमनप्रीत और अमेलिया केर ने चौथे विकेट की साझेदारी के लिए 66 रन बनाकर टीम को जीत की ओर अग्रसर किया।

संक्षिप्त स्कोर–गुजरात जायंट्स 20 ओवर में 126/9 (तनुजा कंवर 28, अमेलिया केर 4-17, शबनीम इस्माइल 3-18) 18.1 ओवर में मुंबई इंडियंस से 129/5 से हार गए (हरमनप्रीत कौर 46 नाबाद, अमेलिया केर 31; तनुजा कंवर 2-) 21) पांच विकेट से।

मराठी अभिनेत्री तितीक्षा तावड़े ने दृश्यम 2 के इस अभिनेता से की सगाई

मराठी टीवी अभिनेत्री तितीक्षा तावड़े किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। अभिनेत्री इन दिनों सातव्य मुलिची सातवी मुलगी सीरियल में नजर आ रही हैं। इसी बीच तितीक्षा ने अपने फैंस के साथ बड़ी खुशखबरी साझा की है। छोटे पर्दे की चर्चित अभिनेत्री ने अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड और अभिनेता सिद्धार्थ बोडके से सगाई कर ली है। कपल ने सोशल मीडिया पर सगाई की मनमोहक तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर फैंस और सितारे दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। सगाई की तस्वीरों को साझा करते हुए तितीक्षा तावड़े और सिद्धार्थ बोडके ने कैप्शन में लिखा, हमेशा के लिए अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ। तस्वीरों में तितिक्षा और सिद्धार्थ अपने स्टाइलिश सगाई आउटफिट में एक साथ कमाल दिख रहे हैं। तितीक्षा लैवेंडर साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने मिनिमल जूलरी के साथ अपने लुक को पूरा किया। साथ ही न्यूड मेकअप में इसे क्लासी टच देती नजर आईं।

नुसरत जहां ने

संदेशखाली विवाद पर दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री नुसरत जहां पर समय-समय पर कई आरोप लगते रहे हैं। हाल ही में, संदेशखाली जो विवाद हुए उसके बाद से नुसरत जहां को लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मशहूर अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्हें लगातार पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जारी हंगामें लिए जिम्मेवार ठहराया जा रहा है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से संदेशखाली विवाद पर एक लंबा चौड़ा बयान साझा किया है। अभिनेत्री नुसरत जहां पर समय-समय पर कई आरोप लगते रहे हैं। हाल ही में, संदेशखाली जो विवाद हुए उसके बाद से नुसरत जहां को लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अभिनेत्री आज अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, मैंने एक स्त्री और जन प्रतिनिधि होने के नाते हमेशा अपनी पार्टी के दिशानिर्देशों का पालन किया और लोगों की सेवा की है। मेरे लिए यह सब सुनना बेहद कष्टप्रद है। संदेशखाली में जो भी हुआ वह मेरे लिए काफी दुखद है।

क्या है संदेशखाली विवाद

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पश्चिम बंगाल के संदेशखली के ग्रामीणों की जमीने हड़पी जा रही हैं। साथ ही साथ संदेशखली की महिलाओं के साथ यौन शोषण की भी खबरें सामने आ रही हैं।

जवान डायरेक्टर एटली को नहीं पसंद पैन इंडिया शब्द

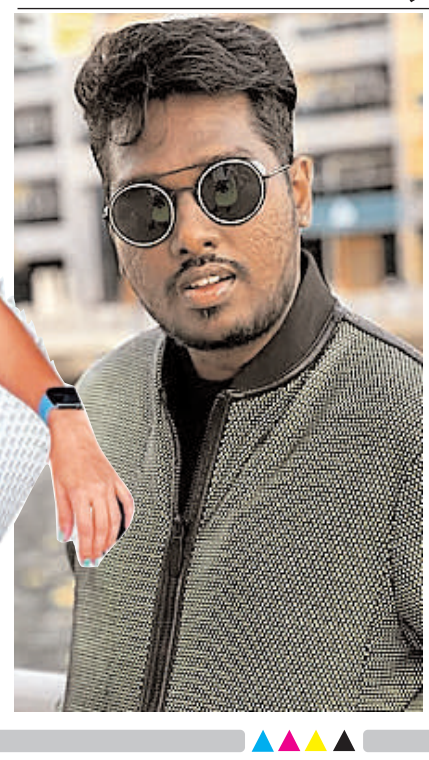

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के नामी डायरेक्टर एटली ने साल 2023 शाहरुख खान के साथ जवान लाकर तहलका मचा दिया था। वह अभी भी इस मूवी की सफलता का लुफ्त उठा रहे हैं। इसमें नयनतारा समेत सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर, प्रियामणि जैसे पॉप्युलर एक्टर्स नजर आए थे। इस मूवी को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिला था। डायरेक्टर ने बताया, ऐसा नहीं कि साउथ के लोग हिंदी फिल्में नहीं देख रहे हैं। हमने शाहरुख सर की सभी फिल्में देखी हैं। सलमान सर की सभी फिल्में देखी हैं। ऋतिक सर की फिल्में देखी हैं। 3 इडियट्स साउथ में सबसे बड़ी हिट है। इसलिए, मुझे लगता है कि जो भी अच्छा कंटेंट आता है, हर कोई उसे देखता है और फिल्म बिरादरी से एक प्रोफेशनल व्यक्ति के नाते मुझे पैन इंडिया शब्द पसंद नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो की फ्लाइट के भोजन कक्ष में मिला कॉकरोच, यात्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा- ये भयानक है

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो की फ्लाइट में सुरक्षा को लेकर कई बार सवाल उठे हैं। इस बीच अब इंडिगो को नई आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, एक यात्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें विमान के भोजन क्षेत्र में कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट करने वाले यात्री ने एक्स पर लिखा, विमान के भोजन क्षेत्र में कॉकरोच मिला, ये वास्तव में भयानक हैं। घटना के जवाब में, इंडिगो ने अपने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने पूरे बेड़े की पूरी तरह से सफाई और कीटाणुरहित करके तत्काल कार्रवाई की है। कंपनी ने कहा कि हम उस वीडियो से अवगत हैं जो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें हमारे एक विमान में एक गंदा कोना दिखा है। हमारे कर्मचारियों ने तुरंत जहाज पर आवश्यक कार्रवाई की। एहतियाती उपाय के रूप में, हमने तुरंत पूरे बेड़े को साफ किया और कीटाणुशोधन प्रक्रियाएं कीं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा कि इंडिगो की ओर से बहुत अहंकारी, लचर और गैर-जिम्मेदाराना प्रतिक्रिया हो रही है। डीजीसीए को इस घटना पर ध्यान देना चाहिए और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

बाल-बाल बचे विधायक निम्माकायला चिनराजप्पा, डिवाइडर से टकराई कार

काकीनाडा। आंध्र प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री और विधायक निम्माकायला चिनराजप्पा बाल-बाल बचे हैं। बता दें कि विधायक निम्माकायला चिनराजप्पा की कार का शनिवार को अचानक एक्सीडेंट हो गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, निम्माकायला चिनराजप्पा की कार शनिवार को अचानक एक डिवाइडर से टकरा गई। हालांकि, वह कार से निकलने में सफल रहे और सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इससे पहले शनिवार को आंध्र प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) और जनसेना में सीटों का बंटवारा हो गया है। समझौते के तहत तेदेपा ने 175 सदस्यीय आंध्र प्रदेश विधानसभा की 24 और लोकसभा की तीन सीटें जनसेना के लिए छोड़ दी हैं। यह घोषणा तेदेपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और जन सेना नेता पवन कल्याण ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में की।

जामा मस्जिद के 14वें शाही इमाम बने सैयद शाबान बुखारी, परिवार में बरकरार रहा पद

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद शाबान बुखारी की जामा मस्जिद के 14वें इमाम के रूप में रविवार को दस्तारबंदी की गई। उन्होंने अपने पिता सैयद इमाम अहमद बुखारी की जगह ली। इस मौके पर उनके पिता और हालिया इमाम सैयद अहमद बुखारी ने शाबान बुखारी के नाम की घोषणा की और उनकी दस्तारबंदी की। इससे पहले शाबान बुखारी को नायब इमाम नियुक्त किया गया था। जामा मस्जिद के शाही इमाम के दस्तारबंदी कार्यक्रम के लिए सियासत के जानी-मानी हस्तियों के साथ, देश-विदेश और कई लोग आमंत्रित थे। जामा मस्जिद परिसर में बड़ी संख्या में आम लोग भी एकत्रित हुए थे। पांच सौ किलो मिठाई यहां विभिन्न मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से लोगों को बांटने के लिए पहुंचाई गई। इस दौरान जामा मस्जिद को रोशनी से सजाया गया था। रात 10 बजे के बाद इमाम अहमद बुखारी ने सैयद शाबान बुखारी के नाम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं 400 साल की रिवायत को बरकरार रखते हुए सब लोगों की मौजूदगी में शाबान बुखारी को जानसी मुकर्रर करता हूं। अली बुखारी नायब इमाम होंगे। उन्होंने खुदा से देश में अमन और तरक्की दुआ की। सैयद शाबान बुखारी ने अपने पिता का शुक्रिया अदा किया और कहा कि यह मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं इसका पालन करूंगा। मैं चाहूंगा कि खुदा मेरे पिता को सेहमंद और लंबी आयु दें। आप सब दुआ करें कि मैं बुजुर्गों के नक्शे कदम पर चलते इस जिम्मेदारी को हिम्मत के साथ निभा सकूं।

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान भारत योजना एलजी और केजरीवाल फिर आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कहा है कि दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को लागू किया जाए। दिल्ली में योजना लागू नहीं होने से लाखों प्रवासी इसके लाभ से वंचित हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी ने कहा है कि उपराज्यपाल इस योजना की हकीकत नहीं जानते। इस योजना में भारी गड़बड़ी है।

राजनिवास के मुताबिक, उपराज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2018 में सहमति और बजट 2020 में इसके कार्यान्वयन की घोषणा के बावजूद फाइल को मंजूरी देने में देरी की जा रही है। उपराज्यपाल ने नियमों का इस्तेमाल करते हुए फाइल वापस ले ली है। उपराज्यपाल को कई वंचित

समूहों की ओर से इसके लिए अनुरोध और अभ्यावेदन दिए गए हैं, जिनमें कहा गया है कि वे भारत सरकार की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। राजनिवास के अनुसार, उपराज्यपाल ने इस तथ्य को भी रेखांकित किया है कि योग्य लाभार्थियों को राशन कार्ड जारी करने की सूची में आवेदक वर्ष 2018 से प्रतीक्षा कर रहे हैं, जबकि दस्तावेजों के अभाव में गंभीर बीमारियों से पीड़ित गरीब मरीज अन्य उपलब्ध योजनाओं के तहत भी स्वास्थ्य लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उपराज्यपाल ने अपने नोट में इस बात पर जोर दिया है कि वर्ष 2018 से लगातार स्वास्थ्य मंत्री रहे आप नेताओं सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज ने कम से कम छह मौकों पर कमजोर बहाने से फाइल को रोक दिया था, जबकि इस योजना को लेकर सभी तथ्य पहले से ही स्पष्ट कर दिए गए थे।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि उपराज्यपाल आयुष्मान भारत योजना की जमीनी हकीकत को नहीं जानते हैं। कैग रिपोर्ट में सामने आ चुका है कि योजना में भारी गड़बड़ी हुई है। मरीजों का डेटा और प्राइवेट अस्पतालों की भागीदारी से जुड़ी कई समस्याएं सामने आ चुकी हैं, जिससे योजना पर व्यावहारिकता से जुड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम उपराज्यपाल से अनुरोध करते हैं कि वो स्टाफ की कमी और बकाया भुगतान की समस्या का जल्द समाधान करें, जिससे दिल्ली के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सकें। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हम अनुरोध करते हैं कि उपराज्यपाल को स्वास्थ्य सचिव की भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए, जिससे अस्पतालों के निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियां दूर हो सकें। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और हरियाणा से मरीज आते हैं। जीबी पंत में सर्जरी की कुल संख्या में लगभग आधा हिस्सा इन राज्यों के मरीजों का होता है।

पारिवारिक उपभोग के खर्च में कम होने लगी गांव और शहरों की दूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के समग्र विकास को लेकर किए जा रहे सरकारी प्रयास का असर दिखने लगा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय व राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक शहरों की तुलना में ग्रामीण इलाके में पारिवारिक उपभोग पर होने वाले खर्च में अधिक बढ़ोतरी हुई है। इसका नतीजा यह हुआ कि पारिवारिक उपभोग पर होने वाले मासिक खर्च में शहरों और गांवों के बीच के अंतर में कमी आने लगी है। खाने पर होने वाले खर्च में भी पहले के मुकाबले कमी आई है। सर्वे के मुताबिक वित्त वर्ष 2011-12 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में पारिवारिक उपभोग के मासिक खर्च में ग्रामीण इलाके में 164 प्रतिशत तो शहरी इलाके में 146 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

भारत 2032 तक 18 और परमाणु क्षमता वाले बनाएगा रिएक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 13,800 मेगावाट बिजली पैदा करने की क्षमता वाले 18 और परमाणु ऊर्जा रिएक्टर बनाएगा, जिससे 2031-32 तक परमाणु ऊर्जा की कुल हिस्सेदारी 22,480 मेगावाट हो जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले सप्ताह गुजरात के काकरापार में दो घरेलू निर्मित 700 मेगावाट के परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों को देश को समर्पित करने के बाद न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआइएल) ने इसकी घोषणा की थी। वर्तमान में एनपीसीआइएल 8,180 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 24 रिएक्टर संचालित करता है।

पीएम मोदी ने 22 फरवरी को किया था राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री ने 22 फरवरी को काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन की यूनिट तीन और चार को राष्ट्र को समर्पित किया था। उनकी काकरापार यात्रा से दो दिन पहले 20 फरवरी को केएपीएस-4 को पश्चिमी पावर ग्रिड से जोड़ा गया था। एनपीसीआइएल ने कहा कि केएपीएस तीन और चार उन्नत सुरक्षा सुविधाओं वाले सबसे बड़े स्वदेशी दबावयुक्त भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) हैं, जो दुनिया के मानकों के बराबर हैं।

एनपीसीआइएल करता है संचालित

इन रिएक्टरों को एनपीसीआइएल द्वारा डिजाइन, निर्मित, चालू और संचालित किया गया है। इसमें उपकरणों की आपूर्ति और भारतीय कंपनियों द्वारा अनुबंधों का निष्पादन किया गया है।

तमिलनाडु में बनाए जा रहे चार परमाणु ऊर्जा संयंत्र

यह आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दर्शाता है। रूसी सहायता से तमिलनाडु के कुडनकुलम में 1,000 मेगावाट के चार परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाए जा रहे हैं। चार 700 मेगावाट के घरेलू निर्मित पीएचडब्ल्यूआर राजस्थान में रावतभाटा (आरएपीएस-7 और 8) और हरियाणा में गोरखपुर (जीएचएवीपी-1 और 2) में बन रहे हैं।

भाजपा मार्च के पहले सप्ताह में जारी कर सकती है 150 उम्मीदवारों की सूची

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी अखाड़े सज चुके हैं और माहौल पूरी तरह से गरमाया हुआ है। एक तरफ जहां विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक सीट बंटवारे की तरफ अग्रसर हो रहा है वहीं भाजपा ने भी अपने उम्मीदवारों को चुनावी जंग में उतारने की पूरी तैयारी कर ली है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसी हलचल में 29 फरवरी को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की होने वाली बैठक के बाद पार्टी जल्द ही अपने पहले 150 उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार पहली लिस्ट में वाराणसी से पी.एम.नरेंद्र मोदी, गांधीनगर से गृह मंत्री अमित शाह, लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागपुर से परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का नाम हो सकता है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि कि पश्चिमी दिल्ली से परवेश वर्मा, उत्तर पश्चिम दिल्ली से मनोज तिवारी और दक्षिणी दिल्ली से रमेश बिधुड़ी को भी पहली सूची में जगह दी जा सकती है। उम्मीद की जा रही है कि पार्टी उन सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती हैं जिन पर उसकी या तो मजबूत पकड़ है या फिर जहां वो अपनी स्थिति और बेहतर कर सकती है। बताया जा रहा है कि 150 उम्मीदवारों के नामों का फैसला करने वाली 29 फरवरी की केंद्रीय चुनाव समिति की अहम बैठक से पहले बीते शनिवार को भाजपा मुख्यालय में इसकी तैयारी को लेकर एक बैठक हुई थी।इसमें भजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई वरिष्ठ नेताओं के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और केरल से भाजपा के मुख्य नेता शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि इस बैठक में चुनावों की तैयारी को लेकर अहम चर्चा हुई है और पार्टी के नेताओं को खास दिशा निर्देश दिए गए हैं।

सैन्य सामग्री की कमी से धरती व सैनिक गंवा रही यूक्रेनी सेना, रक्षा मंत्री ने पश्चिमी देशों से लगाई मदद की गुहार

कीव , एजेंसी।
हथियारों और गोला-बारूद की कमी से यूक्रेनी सेना अब अपनी धरती गंवा रही है और सैनिक मारे जा रहे हैं। रूस के साथ युद्ध में यह यूक्रेनी सेना की ताजा तस्वीर है। इसकी जानकारी देते हुए यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने पश्चिमी देशों से अविलंब सैन्य सहायता भेजने का अनुरोध किया है।

इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस पर यूक्रेन की विजय पश्चिमी देशों की सहायता पर निर्भर है। लंबी दूरी की मिसाइलों की यूक्रेन की मांग पूरी होने को लेकर वह आशान्वित हैं। उमेरोव ने कहा, पश्चिमी देशों से सैन्य सहायता की आमद में विलंब होने का खामियाजा यूक्रेन युद्ध के मैदान में उठा रहा है। इससे हाल के दिनों में यूक्रेनी सेना का नुकसान बढ़ा है। युद्ध के मैदान की स्थिति तेजी से बदल रही है। उल्लेखनीय है कि महीनों की लड़ाई के बाद हाल ही में यूक्रेन का रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अव्दीविका शहर रूसी सेना के कब्जे में चला गया है। उमेरोव का यह बयान तब आया है जब यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष पूरे होने पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने उसके साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया है। उमेरोव के साथ प्रेस कान्फ्रेंस में मौजूद यूक्रेन के उद्योग मंत्री ओलेक्जेंडर कमिशिन ने बताया कि देश के रक्षा कारखानों ने बीते वर्ष में तीन गुना ज्यादा उत्पादन किया है लेकिन वह युद्ध मैदान की गोला-बारूद की मांग को देखते हुए नाकाफी है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल ने बताया है कि वर्ष 2024 के खर्चों के लिए यूक्रेन ने अमेरिका से 11.8 अरब डालर धनराशि की अपेक्षा की है। यूक्रेन के सस्ते खाद्यान्न से पड़ोसी देशों को मुश्किल हो रही है। रूस के हमले के बाद पोलैंड और कुछ अन्य नाटो के सदस्य देश यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं लेकिन उससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। पोलैंड में यूक्रेन के सस्ते अनाज से वहां के किसानों के उत्पाद की बिक्री में कमी आई है। इससे वहां पर यूक्रेन का विरोध बढ़ रहा है और देश की घरेलू राजनीति प्रभावित हो रही है।

गाजा में जल्द युद्धविराम के संकेत, 130 इजरायलियों को मुक्त कराने के लिए रमजान के महीने में हो सकता है एलान

यरुशलम , एजेंसी।
करीब पांच महीने से जारी गाजा युद्ध में दूसरी बार युद्धविराम की स्थितियां बन रही हैं। यह युद्धविराम भी सीमित समय के लिए होगा और इसका मुख्य उद्देश्य गाजा में बंधक बने करीब 130 इजरायली नागरिकों को मुक्त कराना होगा। इस बीच गाजा में इजरायली सेना के हमले जारी हैं।

इन हमलों के बीच इजरायली सेना ने विस्थापितों के बीच बचकर भाग रहे कई हमास लड़ाकों को पकड़ा है। युद्धविराम के सिलसिले में अब पेरिस में वार्ता चल रही है। इस वार्ता में कतर, मिस्त्र और अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जाची हानेबी के अनुसार वार्ता में शामिल होकर इजरायली प्रतिनिधिमंडल तेल अवीव लौट आया है। प्रतिनिधिमंडल ने युद्धविराम के पक्ष में कुछ बातें बताई हैं। वार्ता में शामिल रहे ये लोग युद्ध मामलों के गठित मंत्रिमंडल को युद्धविराम की शर्तों के बारे में बताएंगे। इसके बाद वार कैबिनेट युद्धविराम पर फैसला लेगी। माना जा रहा है कि अगर युद्धविराम हुआ तो वह रमजान के महीने में होगा जिससे मुस्लिम अपनी धार्मिक गतिविधियों को अंजाम दे सकें। अभी तक की बातचीत में यह तय है कि गाजा में अस्थायी युद्धविराम होगा लेकिन उसमें इजरायली बंधकों के बदले में बड़ी संख्या में

फलस्तीनी कैदी इजरायली जेलों से रिहा किए जाएंगे। नवंबर 2023 में हुए युद्धविराम में भी एक इजरायली बंधक के बदले में तीन फलस्तीनी कैदी रिहा किए गए थे।

इस बीच गाजा में युद्ध जारी है। हमास के लड़ाकों के साथ मुठभेड़ में इजरायली सेना के एक मेजर के मारे जाने की सूचना है। इसी के साथ गाजा में इजरायली सेना के मरने वाले सैनिकों की संख्या बढ़कर 239 हो गई है। इस युद्ध में 30 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस बीच खान यूनिस से नागरिकों के साथ निकल भाग रहे कई हमास लड़ाकों को इजरायली सेना ने पकड़ा है। पकड़े गए लोगों से हथियार बरामद हुए हैं। यह जानकारी इजरायली सेना ने दी है। इस बीच सीरिया के होम्स प्रांत में इजरायल के हवाई हमले में तीन लोग मारे गए हैं। मारे गए लोग दो वाहनों में सवार होकर जा रहे थे उसी समय उन पर मिसाइल हमले हुए। लाल सागर में आवागमन को सुरक्षित बनाने की नीयत से रविवार को अमेरिका और ब्रिटेन ने एक बार फिर यमन में हाउती विद्रोहियों के 18 ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों में हाउती की हमले की क्षमता को नुकसान हुआ है। यह जानकारी अमेरिकी नौसेना की मध्य कमान ने दी है। विदित हो कि गाजा पर इजरायल के हमले के विरोध में हाउती विद्रोही करीब चार महीने से लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों पर हमले कर रहे हैं और उन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह समुद्री मार्ग विश्व के सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने की भारत की तारीफ, बोले- दुनिया की उभरती हुई लोकतांत्रिक महाशक्ति

केपटाउन , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने भारत की प्रशंसा करते हुए दुनिया की उभरती हुई लोकतांत्रिक महाशक्ति बताया और कहा कि भारत अभी पूरी तरह से आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंध बहुत मजबूत हैं और भारत के साथ व्यापार करने की सबसे अच्छी बात यह है कि कोई भी मनमौजी कारणों से व्यापार को अचानक बंद नहीं करेगा। ऑस्ट्रेलिया में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाओं पर एबॉट ने कहा कि वह इस तथ्य से अवगत हैं। यह एक छोटे से अल्पसंख्यक वर्ग की ओर से किया गया है। इससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते खराब नहीं होंगे। दोनों के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे। भारत वर्तमान में एक दशक पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापार-अनुकूल स्थान है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते 18वीं सदी से है।

सियासत में उतरेंगी जरदारी की छोटी बेटी आसिफा, भाई बिलावल की सीट से चुनाव लड़ेंगी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की छोटी बेटी आसिफा भुट्टो अब पूरी तरह सियासी मैदान में उतरने जा रही हैं। 'जियो लाइव' की रिपोर्ट के मुताबिक- आसिफा नेशनल असेंबली के लिए होने वाले उप-चुनाव में भाई बिलावल की शहदकोट सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं।

बिलावल ने शहदकोट के अलावा लरकाना से भी चुनाव लड़ा था। वो दोनों सीट जीते। उन्हें एक सीट खाली करनी है। माना जा रहा है कि वो लरकाना सीट अपने पास रखेंगे और शहदकोट से बहन आसिफा की इलेक्टोरल पॉलिटिक्स में एंट्री कराएंगे। इसका ऐलान किसी भी वक्त हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक- आसिफ अली जरदारी और बिलावल ने आसिफा को चुनावी सियासत में उतारने का मन बना लिया है। हालांकि, तीन साल पहले भी वो पॉलिटिकली एक्टिव हुई थीं, लेकिन इसके बाद लंदन लौट गई थीं। इस बार बिलावल और आसिफ अली के करीबी सूत्र कन्फर्म कर रहे हैं कि आसिफा की चुनावी सियासत में उतरने का ऐलान बहुत जल्द किया जाएगा। दरअसल, जरदारी और बिलावल एक तीर से दो निशाने

साधना चाहते हैं। आसिफा में कई लोग उनकी मां और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की झलक देखते हैं। उनकी स्पीच को भी काफी पसंद किया जाता है। इसके अलावा वो लंदन में रहते हुए भी पाकिस्तान पॉलिटिक्स को लेकर एक्टिव रहती हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि बिलावल इस मूड में नहीं थे कि नवाज शरीफ की पार्टी को समर्थन दिया जाए। आसिफा ने उन्हें इसके लिए तैयार किया। अब आसिफा पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को शहदकोट सीट जिताकर न सिर्फ संसद में मजबूती देना चाहती हैं, बल्कि पिता आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति बनने के बाद भाई बिलावल का सहारा भी बनना चाहती हैं। इसके लिए प्लान भी बिलावल और पिता आसिफ अली जरदारी ने तैयार किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक- आसिफा के सामने सांसद बनने के दो विकल्प हैं। दरअसल, यह तय है कि आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति बनेंगे। अगर ऐसा होता है तो आसिफा के पास शहदकोट के अलावा नवाबशाह की सीट भी विकल्प के तौर पर मौजूद है। यहां से अभी फिलहाल, जरदारी चुनाव जीते हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी जब 8 फरवरी को हुए इलेक्शन के पहले कैम्पेन कर रही थी, तब ही पार्टी ने ये तय कर लिया था कि अगर किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत यानी 134 सीटें नहीं मिलतीं तो इन हालात में पार्टी बिलावल की मदद के लिए परिवार का ही कोई चेहरा लाएगी। जरदारी की बड़ी बेटी यानी आसिफा की बड़ी बहन बख्तावर शादी के बाद दुबई में सैटल हो चुकी हैं। उनका सियासत से कोई वास्ता नहीं है। लिहाजा, माना ये जा रहा है कि आसिफ अली की बढ़ती उम्र और सियासत में आखिरी पारी के पहले आसिफा को भी सियासी तौर पर प्लेटफॉर्म दिया जाए।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।